लखनऊ

बुधवार, 8 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 310

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जो हम खुशी से सीखते हैं उसे हम कभी नहीं भूलते।" — अल्फ्रेड मर्सिएर

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और अमित शाह ने 70 लाख पेड़ लगाने की रखी नींव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को दिल्ली के आरके पुरम इलाके में पेड़ लगाने का अभियान शुरू किया। इस अभियान का मकसद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 70 लाख पेड़ लगाना है। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज हम 'इको रेस्टोरेशन मेगा प्लांटेशन ड्राइव 2026' शुरू कर रहे हैं। यह अभियान हमारी प्रकृति को सम्मान वापस दिलाने और हरियाली को फिर से बहाल करने के लिए है, खासकर उन जगहों पर जहां हरियाली को फिर से जीवित करने की ज़रूरत है। हमारी संस्कृति नदियों को माँ मानती है। हमारी संस्कृति हमें सिखाती है कि पर्यावरण का सम्मान किया जाना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने इस अभियान के दौरान घोषणा की कि हमारे लिए खुशी की बात है कि दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का अभियान आज शुरू हो गया है। 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के तहत शुरू किए गए इस अभियान में सहयोग के लिए अमित शाह का धन्यवाद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच का यह तालमेल साबित करता है कि अगर दोनों मिलकर काम करें, तो बड़ी से बड़ी चुनौतियों से भी निपटा जा सकता है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्यावरण को बचाने का अभियान है। मैं अमित शाह जी का धन्यवाद करना चाहता हूं, आपने हमेशा दिल्ली को प्राथमिकता दी है। आपके मार्गदर्शन से हमें यह भरोसा मिलता है कि जब केंद्र और राज्य मिलकर काम करते हैं, तो बड़ी-बड़ी चुनौतियों का भी सामना किया जा सकता है। इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री और अमित शाह ने सेंट्रल रिज इलाके में पौधे लगाए। इसी इलाके में राष्ट्रपति के अंगरक्षक तैनात रहते हैं।

वायनाड भूस्खलन में मौत का आंकड़ा 4, प्रियंका गांधी ने की मदद की अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल में अनाक्कम्पोयिल-कल्लाडी टनल रोड प्रोजेक्ट के वायनाड वाले हिस्से में हुए ज़बरदस्त भूस्खलन में मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर चार हो गई। वहीं, कई एजेंसियों की मदद से बड़े पैमाने पर बचाव अभियान जारी है ताकि उन चार लोगों का पता लगाया जा सके जो अभी भी टन भर मिट्टी और मलबे के नीचे दबे हुए हैं। दस घायल लोगों का इलाज दो अस्पतालों में चल रहा है, जबकि बचाव दल मलबे में फंसे लोगों तक पहुँचने के लिए तेज़ी से काम कर रहे हैं। इस भारी भूस्खलन में एक चर्च और पास का एक घर भी बह गया। अच्छी बात यह है कि घर पर ताला लगा था क्योंकि घर के लोग मक्का की तीर्थयात्रा पर गए हुए थे, और घटना के समय चर्च के अंदर भी कोई नहीं था। प्रभावित इलाकों को जोड़ने वाला एक पुल मलबे के नीचे दब गया है, जिससे बचाव कार्यों में भारी रुकावट आ रही है। कीचड़ हटाने और बचाव दलों के लिए रास्ता बनाने का काम दो एक्सकेवेटर लगातार कर रहे हैं। कांग्रेस नेता और वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने की हर संभव कोशिश की जा रही है और राज्य का प्रशासन आपस में मिलकर काम कर रहा है। एक बयान में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री वी.डी. सतीसन खुद बचाव कार्यों पर नज़र रख रहे हैं।

प्रतापगढ़ से विपक्ष पर गरजे मुख्यमंत्री योगी

'चढ़ावा चोरी पर सवाल करने वाले वक्फ हेराफेरी पर चुप...'

आर्यावर्त क्रांति

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को प्रतापगढ़ को 384 करोड़ रुपये की सौगात दी। उन्होंने 111 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि चढ़ावा चोरी पर सवाल करने वाले वक्फ हेराफेरी पर चुप हैं। पहले मंदिर का पैसा कब्रिस्तान में लगता था। कांवड़ यात्रा पर प्रतिबंध लगता था। दुर्गा पूजा के वक्त दंगे होते थे। मगर अब ऐसा नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि यूपी की प्रगति विपक्षियों को अच्छी नहीं लगती।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष समाज के ताने बाने को बांटना चाहता है। ये जाति के नाम पर विभाजन करना चाहते। जो कांग्रेस कहती थी राम नहीं हुए, कृष्ण नहीं हुए। अयोध्या में कांग्रेस और सपा बाबरी का समर्थन करके घड़ियाली आंसू बहा रही थी और ये दोनों दल गिरगिट की तरह रंग बदल रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस को बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उसने राम के अस्तित्व को नाकारा था। सपा रामभक्तों पर गोली चलाती थी। देश सपा और कांग्रेस के चंगुल में नहीं फंसेगा।

SIT ने दूध का दूध, पानी का पानी किया

सीएम योगी ने कहा कि विपक्ष के प्रचार के बावजूद लोग अयोध्या आ रहे हैं। चढ़ावा चोरी की घटना को बढ़ा-चढ़ाकर बताया जा रहा है। SIT अपना काम कर रही है। ट्रस्ट ने एआईटी जांच की मांग की थी। जांस एजेंसी ने दूध का दूध और पानी का पानी किया। जांच में सबकुछ साफ हो गया। जिनके खिलाफ सबूत उनपर कार्रवाई हुई। भक्त की सुविधा के लिए ट्रस्ट काम कर रहा है।

अयोध्या को बदनाम करने की साजिश

सीएम योगी ने कहा कि एक घटना से अयोध्या को बदनाम करने की साजिश हो रही है। वक्फ की लूट पर कोई क्यों नहीं बोलता? सपा कांग्रेस इस पर चुप क्यों? इन्होंने वक्फ के नाम पर गरीबों की जमीनों को बेचा। इन लोगों से पूछना चाहिए तुम्हे क्या अधिकार है? इनकी पीड़ा ये है कि जहां ये बाबरी का गुलामी ढ़ाचा देखना चाहते थे, वहां भव्य राम मंदिर है। उनकी पीड़ा आस्था नहीं है।

पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रतापगढ़ के पास सोनेलाल पटेल के नाम पर भव्य मेडिकल कालेज है। 2017 और 2014 से पहले प्रोत्साहन का अभाव था। नौजवान बेरोजगार था। बेटियां असुरक्षित महसूस करती थी। पिछली सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया। वो माफिया पालते थे। उनकी मानसिकता माफिया पालने की थी। अब वैसा नहीं है। बिना भेदभाव के सबको योजनाओं का लाभ देंगे।

कौन सी हैं विकास योजनाएं और परियोजनाएं

1- बुनियादी ढांचा और सड़क चौड़ीकरण

सड़कों का चौड़ीकरण

उड़ैयाडीह-पृथ्वीगंज मार्ग (लगभग ₹12.34 करोड़) और फतनपुर-बीरापुर मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण (लगभग ₹23.30 करोड़)।

सड़क कनेक्टिविटी

जगेशरगंज-लोहंगपट्टी संपर्क मार्ग, घाटमपुर से उमरपुर संपर्क मार्ग सहित ग्रामीण इलाकों को जोड़ने वाली कई सड़कें।

कौशाम्बी संसदीय क्षेत्र से जुड़े मार्ग

लालगंज-मंझनमऊ दो लेन मार्ग

निर्माण और लालगोपालगंज से बेधन गोपालपुर मार्ग का चौड़ीकरण।

2- शिक्षा और स्वास्थ्य

सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय

सदर विधानसभा क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से लैस 'सीएम मॉडल कंपोजिट विद्यालय' का शिलान्यास (लागत लगभग ₹25.42 करोड़)।

राजकीय मेडिकल कॉलेज

प्रतापगढ़ के राजकीय मेडिकल कॉलेज से जुड़े स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत करने की घोषणाएं।

3- कानून व्यवस्था और सुरक्षा

साइबर थाना

पुलिस लाइन में नए साइबर अपराध थाने के भवन का शिलान्यास (लागत लगभग ₹3.39 करोड़)।

अग्निशमन केंद्र

अंतू में दो यूनिट वाले नए अग्निशमन केंद्र (Fire Station) का निर्माण कार्य।

सीसीटीवी निगरानी

प्रतापगढ़ शहर के प्रमुख 9 चौराहों पर सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाने की परियोजना।

पुलिस चौकियां

विश्वनाथगंज में पुलिस चौकी के अनावासीय भवन का निर्माण।

4- पर्यटन, आस्था और संस्कृति

धार्मिक स्थलों का विकास

मां बेल्हा देवी धाम के सुंदरीकरण की योजना के साथ-साथ प्रसिद्ध संडवाचंद्रिका मंदिर का पर्यटन विकास कार्य।

यक्ष-युधिष्ठिर संवाद स्थल

महाभारत कालीन ऐतिहासिक 'यक्ष-युधिष्ठिर संवाद स्थल' के सुंदरीकरण और विकास कार्य का शिलान्यास।

5- शहरी विकास और जन-सुविधाएं

कल्याण मंडप

आम जनता के सामाजिक कार्यक्रमों के लिए कल्याण मंडप का निर्माण।

'रामायण, महाभारत और नालंदा हमें जोड़ते हैं'

इंडोनेशिया की संसद में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को इंडोनेशिया की संसद को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंनेकहा कि आज सुबह मुझे इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान को प्राप्त करने का सौभाग्य मिला। मैं इंडोनेशियाई लोगों के उस स्नेह को विनम्र और कृतज्ञ हृदय से स्वीकार करता हूं, जो वो अनगिनत भारतीयों के प्रति रखते हैं। उन्होंने कहा, 'आज सुबह राष्ट्रपति प्राबोवो ने कॉपीराइट के बारे में बात की। इस प्यार, स्नेह, दोस्ती या आपसी सम्मान की भावना पर कोई कॉपीराइट नहीं हो सकता। राष्ट्रपति प्राबोवो के साथ मेरी दोस्ती कॉपीराइट की सभी सीमाओं से परे है'। पीएम ने आगे कहा, 'आज की सुबह जिस तरह इंडोनेशिया के लोगों ने मुझे अपना प्रेम दिखाया है, जिस तरह स्वागत किया है, वो मैं कभी भूल नहीं सकता। भारत और इंडोनेशिया एक ही महासागर और इतिहास साझा करते हैं। रामायण, महाभारत और नालंदा हमें जोड़ते हैं। भारत, इंडोनेशिया और हिंद महासागर ये नाम ही उन गहरे रिश्तों को दर्शाते हैं जो हमें आपस में जोड़ते हैं'।

उन्होंने कहा, 'आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई बड़ी अर्थव्यवस्था है। पिछले दशक में 25 करोड़ से ज्यादा भारतीय गरीबी से बाहर निकले हैं। यही वजह है कि जब भारत और इंडोनेशिया साथ खड़े होते हैं, तो दुनिया का यह भरोसा और मजबूत होता है कि लोकतंत्र से अवसर पैदा होते हैं'।

25 अरब डॉलर पहुंचा भारत-इंडोनेशिया का आपसी व्यापार

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'हम दुनिया के सबसे युवा समाजों में से हैं। हम दोनों ही समुद्री ताकत के मामले में अहम हैं। हम 'ग्लोबल साउथ' की एक मजबूत आवाज हैं। हम प्राचीन सभ्यताएं हैं और भविष्य के लिए स्वाभाविक साझेदार हैं। पिछले साल हमारे दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार लगभग 25 अरब डॉलर तक पहुंच गया। इंडोनेशिया में 100 से ज्यादा भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। हम साथ मिलकर आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी भी हमारे लिए असीम अवसर मौजूद हैं'।

आतंकवाद के मुद्दे पर बोले पीएम मोदी

आतंकवाद के मुद्दे पर बोलते हुए पीएम ने कहा, 'आतंकवाद जैसे मुद्दों पर हम हमेशा एक साथ खड़े रहे हैं। पिछले साल जब भारत के पहलगाम में आतंकवादी हमला हुआ था, तो इंडोनेशिया मजबूती से भारत के साथ खड़ा रहा। इसके लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। हमारे दोनों देश 'संयुक्त कार्य समूह' के माध्यम से आतंकवाद-रोधी प्रयासों पर मिलकर काम कर रहे हैं'।

'मदर ऑफ डेमोक्रेसी है भारत'

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, मदर ऑफ डेमोक्रेसी है और इंडोनेशिया दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी डेमोक्रेसी है। भारत में सैकड़ों भाषाएं और अनेक परंपराएं हैं, तो इंडोनेशिया में भी सैकड़ों भाषाएं और अनेक परंपराएं हैं। भारत वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र है, तो इंडोनेशिया में भिन्नेका तुंगल एक्का का विचार है। हम दोनों ने अपने लोकतंत्र में इस विविधता को ही अपनी एकता की नींव बना लिया है'।

PM मोदी ने इंडोनेशिया के सामने रखा 'गंगा-महाकम विजन'

पीएम ने कहा, 'मैं आप सभी के सामने 'गंगा-महाकम विजन' रखना चाहता हूं। यह विजन हमारी साझेदारी को केवल वर्तमान की जरूरतों तक सीमित नहीं रखता, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा और साझा प्रगति का रास्ता भी बनाता है। हम अपने सभ्यतागत संबंधों को नई पीढ़ी की सोच और चेतना से जोड़ेंगे। रामायण से लेकर बोरोबुदुर तक, हम अपने साझा इतिहास को भविष्य के लिए ताकत का स्रोत बनाएंगे। इसके लिए हमें 'भारत-इंडोनेशिया सभ्यता संवाद' शुरू करना चाहिए'।

इस साल BRICS की अध्यक्षता कर रहा भारत

पीएम मोदी ने कहा, 'पिछले साल इंडोनेशिया ब्रिक्स (BRICS) का पूर्ण सदस्य बना और इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है।हम मिलकर इस ब्रिक्स प्लेटफॉर्म को ज्यादा व्यावहारिक, ज्यादा संतुलित और 'ग्लोबल साउथ' की जरूरतों के प्रति ज्यादा संवेदनशील बनाने के लिए काम कर सकते हैं'।

15 बांग्लादेशी और रोहिंग्या दोषियों को 5-5 साल सजा, एनआईए कोर्ट ने सुनाया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में अवैध तरीके से घुसपैठ करने वाले 15 लोगों को लखनऊ की विशेष अदालत ने 5-5 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही इन लोगों पर 10-10 हजार रुपए जुर्माना भी लगाया गया है। इनमें 13 बांग्लादेशी नागरिक और दो रोहिंग्या शामिल हैं। एटीएस ने 26 अक्टूबर 2021 को इस गिरोह के कई सदस्यों को गिरफ्तार किया था।

जिन लोगों को एनआईए कोर्ट ने सजा सुनाई है उनमें महफूजुर रहमान ,अल अमीन अहमद, खोखन सरदार, अलाउद्दीन तारीक,जमील अहमद, हुसैन मोहम्मद फहद, शखावत खान, असीदुल इस्लाम, जैनुल इस्लाम ,राजीव हुसैन, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन, शाओन अहमद ,मोहम्मद जमील और नूर अमीन शामिल हैं। उत्तर प्रदेश एटीएस द्वारा सीमा पार तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किए जाने के लगभग पांच साल बाद एनआईए कोर्ट के न्यायाधीश उमाकांत जिंदल ने यह फैसला सुनाया, ये सभी बांग्लादेश से आकर पश्चिम बंगाल में छिप कर रह रहे थे। साजिश के तहत मिथुन मंडल, विक्रम सिंह, महफूज और समीर मंडल उर्फ टोनी, मोहम्मद जमील और कुछ अन्य लोग बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करा रहे हैं।

फर्जी आधार कार्ड, पैन कार्ड बनवाए

जांच में सामने आया कि ये लोग सिंडिकेट बनाकर बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराते हैं। इन लोगों का फर्जी भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट तक बनवा रहे हैं। एटीएस ने कोर्ट को बताया कि कई बांग्लादेशी ,रोहिंग्या का फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट तक बनवाया गया है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट पर गुजरात हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 38 आतंकियों की फांसी और 11 की उम्रकैद बरकरार

अहमदाबाद, एजेंसी। साल 2008 में अहमदाबाद को दहलाने वाले सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने आज अपना ऐतिहासिक फैसला सुना दिया है। हाईकोर्ट ने स्पेशल कोर्ट के फैसले पर मुहर लगाते हुए इस दिल दहला देने वाले हमले के 38 आतंकियों की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। इसके साथ ही 11 अन्य दोषियों की उम्रकैद की सजा भी जारी रहेगी। अदालत ने पीड़ितों के हक में अहम निर्देश देते हुए इस हमले में जान गंवाने वाले 56 मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये और 200 से अधिक घायलों को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

कानून के मुताबिक, किसी भी अपराधी की फांसी की सजा पर अमल के लिए हाईकोर्ट की मंजूरी अनिवार्य होती है। इसी के चलते मौत की सजा पाए दोषियों ने निचली अदालत के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जबकि राज्य सरकार ने भी सजा की पुष्टि के लिए याचिका दायर की थी। गौरतलब है कि साल 2022 में सेशन कोर्ट ने 14 साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद इस मामले को 'दुर्लभ से दुर्लभतम' (रेयरेस्ट ऑफ रेयर) मानते हुए 38 आतंकियों को मौत की सजा और 11 को उम्रकैद सुनाई थी। भारतीय न्यायिक इतिहास में यह पहला मौका था जब किसी एक मामले में एक साथ 38 दोषियों को फांसी की सजा दी गई थी।

70 मिनट में 21 धमाकों से दहल उठा था शहर

26 जुलाई 2008 का वह काला दिन आज भी लोगों के जेहन में ताजा है, जब अहमदाबाद शहर महज 70 मिनट के भीतर एक के बाद एक हुए 21 बम धमाकों से कांप उठा था। इस बर्बर आतंकी हमले में 56 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और 200 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने एक सुनियोजित साजिश के तहत नरोदा, बापू नगर, सरखेज और हटकेश्वर जैसे अत्यधिक भीड़भाड़ वाले इलाकों को अपना निशाना बनाया था।

कॉकरोच जनता पार्टी' का X अकाउंट होगा अनब्लॉक, जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने अभिजीत दिपके को दी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजेपी यानी 'कॉकरोच जनता पार्टी' को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दिल्ली हाईकोर्ट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' का एक्स अकाउंट को अनब्लॉक करने का आदेश दिया है। यह आदेश दिल्ली हाईकोर्ट की जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने तब दिया, जब केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सीजेपी के एक्स अकाउंट क्यों ब्लॉक किया गया था। इस तरह जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दिपके को राहत दे दी।

दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा की बेंच ने कहा कि केंद्र सरकार की मुख्य चिंता अब प्रासंगिक नहीं रही क्योंकि NEET परीक्षा पहले ही पूरी हो चुकी है। इसी आधार पर अभिजीत दिपके की याचिका को मंजूरी दी गई। वहीं, सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार की मुख्य चिंता, जिसके कारण पार्टी का अकाउंट ब्लॉक किया गया, यह थी कि उनकी पोस्ट से NEET परीक्षा के दौरान छात्रों और अभिभावकों के बीच अफरातफरी मच सकती है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि चूंकि नीट की परीक्षा पूरी हो चुकी है, इसलिए मुख्य चिंता का समाधान हो गया है। इस तरह कोर्ट ने याचिका को मंजूरी दे दी। दरअसल, 'कॉकरोच जनता पार्टी' की शुरुआत एक व्यंग्य करने वाले ग्रुप के तौर पर हुई थी, लेकिन NEET परीक्षा रद्द होने के बाद इसे युवाओं के बीच काफी लोकप्रियता मिली। इस घटना से उम्मीदवारों और उनके माता-पिता में भारी गुस्सा फैल गया था।

बेटा पिता को देना चाहता था लीवर, फिर अस्पताल ने क्यों किया मना? कोर्ट का फैसला

गौरतलब है कि जब सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रही थी, तभी मई महीने में भारत में उसका एक्स अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया। कंपनी एक्स के अनुसार, ऐसा कदम तब उठाया जाता है जब प्लेटफॉर्म को किसी अधिकृत संस्था से वैध और सही दायरे वाली रिक्वेस्ट मिलती है और जब किसी खास देश में समय-समय पर कुछ कंटेंट तक पहुंच रोकना जरूरी हो जाता है।

दिल्ली-एनसीआर में बदला मौसम, गर्मी से राहत, बारिश के बाद कूल-कूल हुआ माहौल

नई दिल्ली, एजेंसी। मंगलवार को नोएडा समेत दिल्ली-NCR के कई इलाकों में भारी बारिश हुई, जिससे पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली। कई इलाकों में आंधी-तूफान के साथ हुई इस बारिश से तापमान में काफी गिरावट आई और राष्ट्रीय राजधानी व आसपास के शहरों में मौसम सुहावना हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने दिल्ली में आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की से मध्यम बारिश, आंधी-तूफान और बिजली कड़कने का अनुमान लगाया था; इसके एक दिन बाद ही बारिश हुई।

मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए राष्ट्रीय राजधानी में 'येलो अलर्ट' भी जारी किया था, जिसमें लोगों को मौसम में बदलाव के बारे में चेतावनी दी गई और सलाह दी गई कि वे ताज़ा

राम मंदिर ट्रस्ट में प्रोफेशनल मैनेजमेंट की तैयारी, सीईओ की नियुक्ति पर फैसला जल्द

आर्यावर्त क्रांति

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी महाराज के अनुसार, ट्रस्ट अपने कामकाज के बेहतर मैनेजमेंट के लिए एक चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (CEO) की नियुक्ति करने पर विचार कर रहा है ताकि प्रोफेशनल ब्यूरोक्रेटिक अनुशासन लाया जा सके। ट्रस्ट के सामने हाल ही में आई समस्याओं का ज़िक्र करते हुए महाराज ने कहा कि यह सब CEO न होने की वजह से हुआ, क्योंकि देखरेख के काम के लिए उस अनुशासन की ज़रूरत होती है जो प्रोफेशनल ब्यूरोक्रेटिक लोग लाते हैं। हमने यहाँ उस तरह की प्रोफेशनल देखरेख की व्यवस्था नहीं की थी, और नतीजा यह हुआ। इसलिए, हम एक CEO लाएंगे; हमने तीन नामों को चुनने और उनकी सिफारिश करने के लिए एक कमेटी बनाई है, और हम उनमें से किसी एक को चुनेंगे। यह कमेटी संभावित उम्मीदवारों की पहचान करने के लिए बनाई गई है, जिनके आधार पर ट्रस्ट नियुक्ति को अंतिम रूप देगा। महाराज ने चंपत राय पर भी भरोसा जताया, जिन्होंने हाल ही में नैतिक आधार पर ट्रस्ट के जनरल सेक्रेटरी पद से इस्तीफ़ा दिया है।

49 साल बाद भी न मिली राहत, 300 रुपये की ली थी घूस, लेखपाल की सजा बरकरार

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 49 साल पुराने रिश्वत के मामले में लेखपाल की एक साल के कठोर कारावास की सजा बरकरार रखी। कोर्ट ने 41 साल पुरानी आपराधिक अपील खारिज कर दोषी को चार सप्ताह में संबंधित ट्रायल कोर्ट में सरेंडर कर बची सजा काटने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति संजीव कुमार की एकल पीठ ने महेश चंद की याचिका पर दिया। अभियोजन के अनुसार कानपुर की एक तहसील में तैनात लेखपाल महेश चंद ने भूमि विवाद में एक पक्षकार से दूसरे की अपील खारिज कराने के नाम पर 400 रुपये रिश्वत मांगी थी। शिकायत के बाद विजिलेंस ने फिनॉल्फ्थेलीन पाउडर लगे 100-100 रुपये के तीन नोट शिकायतकर्ता को दिए।

होटल में जैसे ही महेश चंद ने 300 रुपये लेकर उन्हें अपनी जेब में रखा, विजिलेंस टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। ट्रायल कोर्ट ने 1985 में महेश चंद को दोषी ठहराते हुए एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इसके बाद दोषी ने हाईकोर्ट में अपील दायर की, जो चार दशक से अधिक समय तक लंबित रही। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने दलील दी कि शिकायतकर्ता की गवाही अदालत में नहीं कराई गई। इसलिए अभियोजन का मामला संदेहास्पद है। सार्वजनिक स्थान पर रिश्वत लेना स्वाभाविक नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि यदि ट्रैप की कार्रवाई विजिलेंस अधिकारियों और स्वतंत्र गवाहों की विश्वसनीय गवाही से पूरी तरह सिद्ध हो जाती है तो केवल शिकायतकर्ता के गवाही न देने से पूरा मामला कमजोर नहीं हो जाता।

ट्रैप की कार्रवाई गोपनीय तरीके से की जाती है। इसलिए सार्वजनिक स्थान पर आरोपी का पकड़ा जाना अस्वाभाविक नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को सही ठहराते हुए अपील खारिज कर दी। आरोपी की जमानत और निजी मुचलका निरस्त कर सरेंडर का आदेश दिया है।

यूपी एसटीएफ ने एक लाख के इनामी कुख्यात विक्की को किया ढेर, आठ साल से पुलिस को दे रहा था चकमा

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। यूपी के अंबेडकरनगर में मंगलवार तड़के यूपी एसटीएफ ने मुठभेड़ में एक लाख के इनामी बदमाश को ढेर कर दिया। इसकी पहचान विक्की उर्फ आसिफ अली पुत्र मजहर हुसैन उर्फ बाबू अली के रूप में हुई है। यह कानपुर नगर के बिल्हौर थाना क्षेत्र के धुरैथा मकरनपुर गांव का रहने वाला था।

मुठभेड़ तड़के करीब 4:00 बजे बेवाना थाना इलाके के जगदीशपुर मुस्लिमपुर के निकट हुई। बताया गया कि विक्की उर्फ आसिफ अली क्षेत्र में दहशत का पर्याय बना हुआ था। इस पर हत्या और लूट समेत 25 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। यह आठ साल से पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था।

हाल ही बदमाश विक्की ने जौनपुर और शाहजहांपुर के शाहगंज में हत्या की वारदातों को अंजाम दिया था। इसके बाद से यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तारी के प्रयास शुरू किए थे। इस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

एसटीएफ की घेराबंदी के दौरान विक्की ने टीम पर कई राउंड फायरिंग झोंकी। इसके जवाब में एसटीएफ टीम ने भी फायरिंग की। इसमें गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। इसके बाद उसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

गोंड व पर्याय जातियों को मिलेगा अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले में गोंड समाज और उसकी पर्याय जातियों के लोगों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कलेक्ट्रेट के प्रभारी अधिकारी (शिकायत) को एक आधिकारिक आख्या भेजते हुए जिले की सभी तहसीलों में गोंड एवं उसकी पर्याय जातियों धुरिया, नायक, ओझा, पठारी और राजगोंड को नियमानुसार अनुसूचित जाति (एससी) का जाति प्रमाणपत्र जारी किए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। यह मामला जयसिंहपुर विकास खंड के ग्राम वैदहा निवासी बृजेश कुमार गोंड की ओर से आईजीआरएस (इंटीग्रेटेड ग्रिवेंस रिड्रेसल सिस्टम) पोर्टल पर दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सामने आया। शिकायत में उन्होंने मांग की थी कि सुल्तानपुर जिले की सभी तहसीलों में निवास करने वाले गोंड एवं धुरिया सहित उनकी पर्याय जातियों के लोगों को अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र जारी किया जाए, ताकि वर्षों से चली आ रही समस्याओं का स्थायी समाधान हो सके। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने अपनी आख्या में स्पष्ट किया है कि शासन द्वारा जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जनपद के सभी उप जिलाधिकारियों (एसडीएम) और तहसीलदारों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निवास कर रहे गोंड एवं उसकी पर्याय जातियों के पात्र लोगों को नियमानुसार अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र निर्गत करें। समाज कल्याण विभाग ने शिकायतकर्ता बृजेश कुमार गोंड को भी इस संबंध में की गई कार्रवाई और वस्तुस्थिति से अवगत करा दिया है। साथ ही कलेक्ट्रेट स्तर से इस प्रकरण का निस्तारण किए जाने का अनुरोध भी किया गया है।

'मुझे संगठन का हथियार समझें...पता नहीं चलता कब जान निकल गई', भाजपा ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष का विवादित बयान

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। भारतीय जनता पार्टी के ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार आगरा पहुंचे पूरन लाल लोधी ने रविवार देर रात आयोजित स्वागत समारोह में विवादित बयान दे डाला। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कार्यकर्ताओं के बीच खुद को संगठन के लिए एक समर्पित हथियार के रूप में पेश किया।

कहा कि आपको लगता होगा कि भाजपा ने पता नहीं कैसा अध्यक्ष दे दिया है। यह छोटा वाला अध्यक्ष नहीं है...यह बड़ी बंदूक की बैरल को समेटकर कमर में बांधने वाला हथियार है। इसे आप अपनी कमर में बांधने वाला छह राउंड का रिवाल्वर समझें। इस रिवाल्वर में एक बार में छह कारतूस आते हैं और जब इसकी रील घूमती है, तो पता ही नहीं चलता कि आदमी की जान कब निकल गई।

भाषण के दौरान उन्होंने खुद को पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह व श्रीराम

का वंशज बताते हुए हिंदुत्व, सनातन धर्म व देश के प्रति अपनी गहरी प्रतिबद्धता दोहराई। इसके साथ ही उन्होंने संगठन के निचले स्तर के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को पूरा संरक्षण देने की बात कही। कहा कि अब संगठन में नीतिगत मामलों में कोई प्रलोभन या दबाव काम नहीं करेगा।

आगे बढ़ने वाले छोटे कार्यकर्ता का रास्ता किसी बड़े नेता के फोन या दबाव पर बदला नहीं जाएगा, बल्कि उस कार्यकर्ता को और आगे बढ़ाया जाएगा। लोधी ने कहा कि यदि उनके मंडल अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक या बूथ अध्यक्ष को कोई भी अनावश्यक रूप से परेशान करेगा तो वे खुद सबसे पहले उसके हक में खड़े मिलेंगे।

हवन के बाद क्षेत्रीय अध्यक्ष ने संभाला कार्यभार

भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरनलाल लोधी ने सोमवार को जयपुर हाउस स्थित ब्रज क्षेत्र कार्यालय में हवन-पूजन के बाद पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य की मौजूदगी में कार्यभार संभाल लिया। इसके बाद सांगठनिक गतिविधियों को गति देते हुए क्षेत्रीय पदाधिकारियों, आगरा जिला, आगरा महानगर के पदाधिकारियों और भाजपा पार्षदों के साथ महत्वपूर्ण परिचयात्मक बैठकें कीं।

उन्होंने कहा कि संगठन का मुख्य लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनाव में ब्रज क्षेत्र की सभी 65 सीटों पर विजय पताका फहराना है। इस अवसर पर एमएलसी विजय शिवहरे, जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया, महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू भदौरिया, महापौर हेमलता दिवाकर, विधायक पक्षालिका सिंह, सत्यदेव दुबे, नितेश शिवहरे, निर्मला दीक्षित, मुकेश चाहर, रोहित कत्याल व अन्य मौजूद रहे।

परीक्षा में हर पदाधिकारी रहा फेल

बैठकों के दौरान पूरन लाल ने जिला व महानगर के पदाधिकारियों से संगठन से जुड़े कई सवाल पूछे। हालांकि कोई भी पदाधिकारी भाजपा की पंचनिष्ठाएं, डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम, सक्रिय बूथ आदि के बारे में नहीं बता पाया। हर पदाधिकारी को 25-25 कार्यकर्ताओं का डीएलपी कराने का लक्ष्य दिया।

जनतंत्र में जनता का परेशान होना सुशासन नहीं ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि

» मुख्यमंत्री के आगमन पर शहर की नाकेबंदी को बताया गलत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री के आगमन पर शहर की नाकेबंदी कर आम जनता की जरूरतों को रोकना गलत है। जनतंत्र में जनता को परेशान करना कहीं से भी सुशासन नहीं है। यह बातें राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहीं।

उन्होंने कहा कि मंगलवार को मुख्यमंत्री के आगमन पर प्रशासन ने जिस तरह की तानाशाही दिखाई यह किसी भी तरह से लोकतंत्र का लक्षण नहीं है । सुरक्षा आवश्यक है लेकिन सुरक्षा के नाम पर स्कूल बंद कर विद्यार्थियों को शिक्षा से वंचित करना, आवागमन के साधन बंद कर लोगों को गंतव्य तक न पहुंचने देना, ठेला ई-रिक्शा व्यावसायिक गाड़ियां बंद कर व्यापार को प्रभावित करना कहीं से भी उचित नहीं समझा जा सकता। विपक्ष के तमाम नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को नजरबंद कर लोकतंत्र का खुला माखौल उड़ाया गया।

ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहा कि मुख्यमंत्री का स्वागत व सुरक्षा आवश्यक है लेकिन नागरिक अधिकारों का हनन करके ऐसा करना जायज नहीं है। इस तरह की प्रवृत्ति से लोकतंत्र कमजोर होता है आगे से प्रशासन को इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पुलिस का मिशन शक्ति अभियान

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के तहत सुलतानपुर पुलिस ने जनपदभर में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सड़क सुरक्षा को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक चारू निगम के निर्देशन में सभी थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई।

अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिला बीट पुलिस अधिकारियों और मिशन शक्ति टीमों ने ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान महिलाओं की समस्याएं सुनी गईं और उनका विधिसम्मत एवं त्वरित समाधान कराने का भरोसा दिलाया गया। साथ ही महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर पुलिस से बेझिझक संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया। विभिन्न गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर शबहूबेटी सम्मेलनश आयोजित किए गए, जिनमें महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने, शिक्षा और सुरक्षा के महत्व तथा बिना किसी भय के अपनी शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया।

इसी क्रम में थाना स्तर की एंटीरोमियो टीमों ने बाजारों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं और छात्राओं को आत्मरक्षा के उपाय, महिला सुरक्षा संबंधी कानूनों और सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी। टीमों ने जागरूकता पंपलेट भी वितरित किए। अभियान के दौरान महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के उपयोग की भी विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में 1090 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 108 (चिकित्सा सेवा), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) पर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। सुलतानपुर पुलिस ने लोगों से अपील की कि महिला सुरक्षा और सम्मान को सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए किसी भी प्रकार की घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सीएम कं दौरे से पहले कांग्रेस व सपा के कुछ नेता हाउस अरेस्ट

सुल्तानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे से पहले मंगलवार को जिला पुलिस ने एहतियातन कार्रवाई करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के कई नेताओं को उनके आवासों पर ही रोक दिया। वहीं समाजवादी पार्टी के चार नेताओं को हिरासत में लेकर नगर कोतवाली ले जाया गया। पुलिस की कार्रवाई की जद में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवम पांडे, सपा नेता राजू चौधरी, कांग्रेस नेता वरुण मिश्रा, सपा के शहर विधानसभा अध्यक्ष गुफरान अहमद श्सैफीश, सपा मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष शहजाद अहमद, अमरीश कांत गौतम, नौशाद कुरैशी और सुल्तान खान सहित कई विपक्षी नेता रहे। इनमें से शहजाद अहमद, अमरीश कांत गौतम, नौशाद कुरैशी और सुल्तान खान को बाद में पुलिस हिरासत में लेकर नगर कोतवाली पहुंचाया गया। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी संभावित विरोध-प्रदर्शन को रोकने के उद्देश्य से यह कार्रवाई एहतियातन की गई।

शामली में झमाझम बारिश से बदला मौसम, गर्मी से मिली राहत, कई इलाकों में जलभराव

आर्यावर्त संवाददाता

शामली। शामली में मंगलवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली और जिलेभर में झमाझम बारिश हुई। लगातार हो रही बारिश से पिछले कई दिनों से पड़ रही उमस और भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और तेज बारिश का सिलसिला शुरू हो गया।

शामली शहर के अलावा कैराना, झिंझाना, जलालाबाद, थानाभवन, कांधला और जिले के अन्य क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। बारिश के दौरान बच्चों और बड़ों ने मौसम का भरपूर आनंद लिया। कई लोग घरों से बाहर निकलकर सुहाने मौसम का लुत्फ उठाते दिखाई दिए।

सड़कों और निचले इलाकों में भरा पानी

लगातार हुई तेज बारिश के कारण शामली शहर, कैराना, कांधला और अन्य क्षेत्रों की कई सड़कों तथा निचले इलाकों में जलभराव हो गया। पानी भरने से राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर कीचड़ और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं भी सामने आईं।

तापमान में गिरावट, किसानों के चेहरे खिले

बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। किसानों का कहना है कि यह बारिश फसलों के लिए लाभकारी साबित हो सकती है और खेती के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करेगी।

आंखें फोड़ीं, निजी अंग काटा, शरीर पर कई जगह दरांती से वार, 'कातिल मंत्री' को मजाक में कहा था ये शब्द

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के मोदीनगर के पूठरी गांव में एक मामूली सी बात पर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। एक युवक को सिर्फ इसलिए मौत के घाट उतार दिया गया क्योंकि उसने एक ग्रामीण पर तंज कस दिया था। आरोपी ने इतनी बेरहमी से हत्या को अंजाम दिया कि मृतक की आंखें फोड़ दीं और दरांती से शरीर पर अनगिनत वार किए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और हत्या में इस्तेमाल की गई दरांती व मृतक का मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है।

डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक तरुण उर्फ नमित, मूल रूप से मुजफ्फरनगर के खतौली का रहने वाला था और पिछले दो वर्षों से पूठरी गांव में अपने परिवार के साथ किराए पर रह रहा था। रविवार शाम से लापता तरुण का शव सोमवार को गांव से करीब 500 मीटर दूर गन्ने के खेत में मिला। शव की हालत अत्यंत वीभत्स थी, जिससे हत्या की क्रूरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आरोपी गिरफ्तार, पूछताछ में कबूल जुर्म

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूठरी गांव के ही निवासी निरांचल उर्फ मंत्री को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। डीसीपी के अनुसार, आरोपी ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मामूली सी कहासुनी और तंज कसने की बात इतनी बढ़ गई कि आरोपी ने आपा खो दिया और निर्मम हत्या को अंजाम दिया।

पीड़ित परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

मृतक तरुण अपने परिवार में सबसे बड़ा था। उसके पिता निर्दोष सैन मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। मां मधुबाला, भाई कृष्णा और दो बहनें अनुराधा व गुड़िया का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार ने आरोपी के लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। इस घटना ने पूरे गांव में भय और आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है।

शाम को टहलने निकला, फिर नहीं लौटा

पुलिस ने बताया कि तरुण परतापुर के गेझा औद्योगिक क्षेत्र में गद्दा फैक्टरी में काम करता था। रविवार को अवकाश होने के कारण वह शाम करीब पांच बजे टहलने निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। खोजबीन करने के बाद परिजनों ने रात करीब 11:30 बजे ग्राम प्रधान के माध्यम से पुलिस को उसके लापता होने की सूचना दी।

सुबह निवाड़ी-पूठरी संपर्क मार्ग के पास पूठरी निवासी रामवीर के खेत में तरुण का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। ग्रामीणों से इसकी सूचना मिलने पर निवाड़ी पुलिस व तरुण के पिता मौके पर पहुंचे और शव की शिनाख्त की।

भंगजी बाबा कहकर उड़ाया था मजाक

हत्यारोपी निरांचल उर्फ मंत्री (33) ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि बीते शुक्रवार को तरुण, गांव के ही प्रिंस और उनके कुछ दोस्तों ने उसे भंगजी बाबा कहकर तंज कसते हुए मजाक उड़ाया था। इसी बात से वह आक्रोशित था। आरोपी के अनुसार रविवार शाम उसने तरुण को गांव से निवाड़ी की ओर जाते देखा।

तरुण ने उसे फिर भंगजी बाबा कहकर पुकारा। इस पर उसने तरुण पर दरांती से हमला कर दिया। आरोपी ने उसके चेहरे, गर्दन, पेट और निजी अंगों पर कई वार किए। उसने तरुण की दोनों आंखें भी फोड़ दीं और पेट की आंतें तक बाहर निकाल दी।

वारदात के बाद शव को सड़क से खींचकर खेत में ले गया और बोरे में भरने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहने पर शव वहीं छोड़कर भाग गया। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह अन्य लोगों को भी निशाना बनाने की फिराक में था और मजाक उड़ाने वाली घटना के बाद से ही दरांती लेकर घूम रहा था। तीन दिन पहले उसने प्रिंस पर भी हमला किया था, लेकिन लोग पहुंच गए और वह बच गया।

सनकी प्रवृत्ति का है आरोपी मोबाइल फोन ले गया घर

पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला कि आरोपी निरांचल सनकी प्रवृत्ति का है और मजदूरी करता है। वह नशे का आदी होने के साथ तांत्रिक क्रियाओं में भी रुचि रखता था। पूछताछ में उसने बताया कि शव के पास संस्कृत के श्लोक भी पढ़े थे। इसके बाद वह मृतक का मोबाइल फोन लेकर घर चला गया, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया।

28 बीघे जमीन पर अवैध प्लॉटिंग पर गरजा पीडीए का बुलडोजर

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कई गांवों में बड़े पैमाने पर बुलडोजर कार्रवाई की। इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज सिंह द्वारा बिना लेआउट स्वीकृति के विकसित की गई अवैध प्लॉटिंग को ध्वस्त किया गया। इसके अलावा दो अन्य लोगों की अवैध प्लाटिंग भी ढहाई गई।

पीडीए की प्रवर्तन टीम ने सबसे पहले असरावल खुर्द गांव में करीब 20 बीघे भूमि पर की गई अवैध प्लॉटिंग को तीन जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त किया। इसके बाद रावतपुर गांव में लगभग आठ बीघे क्षेत्र में विकसित की गई प्लॉटिंग पर भी बुलडोजर चलाया गया। पीडीए अधिकारियों के अनुसार, अनुज सिंह की कटहुला गौसपुर स्थित अवैध प्लॉटिंग पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई केवल अनुज सिंह तक सीमित नहीं रही।

पिछली सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया, हमारी सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज: योगी आदित्यनाथ

इसौली व सुल्तानपुर की 819 करोड़ की योजनाओं का किया लोकार्पण

राम मंदिर चंदा चोरी विवाद पर खुलकर बोले योगी,विपक्ष पर रहे हमलावर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। जिले के डायट ग्राउंड पर पहुंचे प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंच पर स्वागत के बाद जिले के विभिन्न परियोजनाओं के लाभार्थियों को डेमो चेक,चाभी सहित प्रशस्ति पत्र वितरित किया।

सभा स्थल पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सियावर राम चंद्र की जय के साथ अभिवादन करते हुए कहा कि रामायण कालीन स्मृतियों से जुड़े इस पावन धरा को नमन करते हुए जिले की 819 करोड़ की परियोजनाओं के लिए बधाई देता हूं। जिले के जनप्रतिनिधियो के अथक प्रयास में जिले में मेडिकल कॉलेज का संचालन हो रहा है साथ ही नर्सिंग कॉलेज का शिलान्यास आज किया गया। सपा पर हमलावर होते हुए कहा कि पिछली सरकार वन डिस्ट्रिक वन माफिया पालती थी हमारी सरकार वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज बना रही है। उन्होंने जिले की बेहतर सड़कों से कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए कहा कि आज आप लोग 45 मिनट में अयोध्या धाम इंटर नेशनल एयर पोर्ट पहुंच रहे है। ये आपके द्वारा चुनी हुई सरकार के कारण संभव हो पाया है। जब सुरक्षा का माहौल होगा तभी विकास संभव है। उत्तर प्रदेश को कांग्रेस व सपा ने बीमारू राज्य बना दिया था लेकिन अब आपके द्वारा चुनी गई सरकार ने प्रदेश में सुरक्षा के माहौल के साथ भारी मात्रा में निवेश भी कराया है। डबल इंजन की सरकार सुरक्षा में कोई भेदभाव नहीं करती। बिना भेदभाव के सुरक्षा के बेहतर वातावरण से निवेश हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के पास पहले भी वही पैसा था लेकिन उसका उपयोग कब्रिस्तान के बाउंड्री वाल निर्माण में किया जाता था लेकिन डबल इंजन की सरकार में उसी पैसे का सदुपयोग करके धार्मिक स्थलों के सुधरीकरण के साथ उज्ज्वला गैस योजना, आयुष्मान योजना, मुफ्त राशन, बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सड़कों के निर्माण आदि में खर्च किया जा रहा है। यूपी में पिछले 09 साल में 09 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई। उद्यमों से करीब सवा 03 करोड़ लोग लाभ ले रहे है। सपा की सरकार में माफिया गरीबों की, सरकारी जमीन कब्जा कर लेते थे लेकिन हमारी सरकार में किसी की अवैध अतिक्रमण करने की मजाल नहीं है।राम मंदिर ट्रस्ट में हुई चोरी को लेकर मुख्यमंत्री विपक्ष पर हमलावर हुए उन्होंने कहा कि जैसे ही ट्रस्ट ने मांग की तुरंत एसआईटी का गठन किया गया। एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में जिन लोगों के नाम आए उन पर ट्रस्ट ने एफआईआर दर्ज कराकर उन्हें जेल पहुंचाया। लेकिन विपक्ष को चंदा चोरी से मतलब नहीं है। न ही उनकी कभी आस्था रही है।उनके द्वारा केवल हमारे तीर्थ को बदनाम किया जा रहा है। प्रभु श्रीराम का मंदिर जनता जनार्दन के पैसे से ट्रस्ट द्वारा बनाया गया जहां आज त्रेता युग की अनुभूति होती है। इसी बात से विपक्ष को पीड़ा है इसीलिए बदनाम करने के लिए समाजवादी पार्टी व कांग्रेस मुहिम चला रही है। जिनके द्वारा राम भक्तों पर गोलियां चलवाई गई उनकी प्रभु राम में आस्था कभी नहीं हो सकती। इनके द्वारा देश व विदेश में केवल अयोध्या धाम को बदनाम किया जा रहा है। वक्फ के नाम पर हजारों एकड़ जमीन का जो वारा न्यारा इनकी सरकार में हुआ,उस पर इन लोगो की आवाज नहीं निकलती है। जब डबल इंजन की सरकार ने उस पर कानून बनाया तो इन लोगो द्वारा उसका विरोध किया गया।ये नकारात्मकता देश, समाज, गरीब, अन्न दाता का हित करने वाली नहीं है। अंत में उन्होंने कहा कि जिले मे पूर्वांचल एक्सप्रेस के किनारे इंडस्ट्रियल हब बनाने से जिले नौजवानों को रोजगार मिलेगा। बैठक द्वारा जन प्रतिनिधियों द्वारा जो कार्ययोजना सौंपी गई है उस पर भी जल्द कार्य शुरू कराया जाएगा। मुख्यमंत्री के भाषण में इसौली विधानसभा में भाजपा का विधायक न होने उन्होंने कहा कि सपा विधायक विकास कार्यों में रुचि नहीं ले रहे है। क्योंकि वे जिन कार्यों में लिप्त थे वह डबल इंजन की सरकार में नहीं हो सकता।इस मौके पर प्रभारी मंत्री गिरीश नारायण यादव, विधायक विनोद सिंह, राजेश गौतम, राज प्रसाद उपाध्याय, सीताराम वर्मा, सुरेश गौतम, एमएलसी शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी, जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा सिंह, पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, चेयरमैन योगेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक अर्जुन सिंह, ओम प्रकाश पांडेय, देवमणि द्विवेदी, भाजपा नेता ओम प्रकाश पांडेय बजरंगी,संत बक्श सिंह चुन्नू,जगजीत सिंह छंगू,राम चंद्र मिश्रा, एमपी सिंह ,गिरीश नारायण सिंह सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने इन लोगो किया सम्मानित

सुल्तानपुर। जिले के दौरे पर आए मुख्यमंत्री ने अनीता कुमारी को घर की चाभी, सीमा मौर्य व निधि वर्मा विद्युत सखी एनआरएलएम को एक एक थर्मल प्रिंटर, संजू साहू बीसी सखी को प्रशस्ति पत्र, साधना देवी, नजमा को चेक, पूजा पाल व रीता को समूह का चेक, रीमा देवी, आराधना को 50- 50 हजार का चेक, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत अमन मौर्य की 05 लाख डेमो चेक,निर्मला को 03 लाख का डेमो चेक, दयाशंकर भार्गव को 05 लाख का डेमो चेक, लक्ष्मी जायसवाल व गुलाबपति त्रिपाठी को नंदबाबा दुग्ध मिश्रण योजना के तहत चेक व मातृत्व शिशु एवं बालिका सहायता के लिए लक्ष्मण, अरुण कुमार, लीलावती देवी व पूनम को डेमो चेक सौंपा।

कथित एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में राम मंदिर चढ़ावा प्रबंधन प्रणाली पर सवाल, आधिकारिक पुष्टि शेष, जांच जारी

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित भेंट एवं चढ़ावे की धनराशि के प्रबंधन से संबंधित एक कथित विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर कई गंभीर दावे सामने आए हैं। हालांकि, इस रिपोर्ट की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। न तो उत्तर प्रदेश शासन और न ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इसकी आधिकारिक पुष्टि की है। इसलिए रिपोर्ट में उल्लिखित सभी निष्कर्षों को अंतिम अथवा निर्णायक नहीं माना जा सकता। मामले की जांच अभी जारी बताई जा रही है।सूत्रों के अनुसार, कथित प्रारंभिक रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि जांच दल ने गणना कक्ष एवं स्ट्रांग रूम के सीसीटीवी फुटेज, ट्रस्ट पदाधिकारियों, बैंक अधिकारियों, सुरक्षा कर्मियों और गणना कर्मियों के कथनों, बैंक खातों के विवरण, बरामदगी संबंधी अभिलेखों, समझौता ज्ञापन (एमओयू), मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तथा अन्य दस्तावेजों का परीक्षण किया। रिपोर्ट में प्रथम दृष्टया यह दावा किया गया है कि गणना प्रक्रिया में कार्यरत कुछ कर्मियों द्वारा कथित रूप से धनराशि के गबन और चोरी के संकेत मिले हैं तथा सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी में कथित चूक के कारण ऐसी घटनाएं संभव हुईं।कथित रिपोर्ट के अनुसार, मंदिर में विभिन्न हुंडियों से प्राप्त नकदी का अलग-अलग अभिलेखीकरण और गणना किए जाने का प्रावधान था, लेकिन व्यवहार में विभिन्न हुंडियों की राशि को गणना से पहले मिला दिया जाता था। रिपोर्ट में इसे एक गंभीर प्रक्रियागत कमजोरी बताया गया है। साथ ही नकदी परिवहन में प्रयुक्त बक्सों के क्रमांकन और ट्रैकिंग की प्रभावी व्यवस्था न होने का भी उल्लेख किया गया है, जिससे प्रत्येक हुंडी से प्राप्त राशि का पृथक-पृथक मिलान करना कठिन हो जाता था।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्वर्ण, रजत और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं के प्रबंधन में भी कई प्रक्रियागत कमियां पाई गईं। इसमें अभिलेखीकरण, वजन, फोटोग्राफी, सीलिंग और सुरक्षित हस्तांतरण की प्रक्रिया के एक समान पालन न होने का उल्लेख किया गया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी दर्ज है कि लॉकर में सुरक्षित रखी गई कुछ बहुमूल्य वस्तुओं के यादृच्छिक भौतिक सत्यापन के दौरान उपलब्ध वस्तुएं अभिलेखों से मेल खाती पाई गईं। इस संबंध में विस्तृत जांच अभी प्रचलित बताई गई है।सूत्रों के अनुसार, सोशल मीडिया पर चांदी की ईंटों और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं के कथित रूप से गायब होने संबंधी तीन प्रमुख दावों की भी जांच की गई। कथित रिपोर्ट में उल्लेख है कि इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुराग रस्तोगी, विश्व सिंधी सेवा समाज के राजू मंडवानी तथा मुंबई के व्यवसायी अनिल विश्वकर्मा द्वारा अर्पित बहुमूल्य वस्तुओं का रिकॉर्ड ट्रस्ट के अभिलेखों में उपलब्ध मिला। रिपोर्ट के अनुसार, इन वस्तुओं को बाद में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुरक्षित रखा गया अथवा अधिकृत संस्था को गलाने के लिए भेजा गया। इसलिए इन मामलों में सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं होने का उल्लेख किया गया है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि बहुमूल्य वस्तुओं के प्रबंधन की वर्तमान व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाए जाने की आवश्यकता है, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना कम की जा सके।कथित रिपोर्ट में रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की भूमिका का भी उल्लेख किया गया है।

कांग्रेस और सपा का भगवान श्रीराम के प्रति आस्था से नहीं है कोई लेना देना : सीएम योगी

प्रतापगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को यहां जीआईसी मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अयोध्या मंदिर प्रकरण को लेकर कांग्रेस व सपा को जमकर निशाने पर लिया। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिले के विकास से जुड़ी सदर एवं विश्वनाथगंज विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होने कुल तीन सौ चौरासी करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली एक सौ ग्यारह विकास परियोजनाओं का समारोहपूर्वक शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकाप्टर पूर्वान्ह साढ़े ग्यारह बजे पुलिस लाईन पहुंचा। यहां प्रयागराज की मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल, अपर पुलिस महानिदेशक ज्योति नारायण, आईजी अजय मिश्र तथा जिले के डीएम अभिषेक पाण्डेय व एसपी दीपक भूकर एवं सीडीओ राममोहन मीना ने प्रशासन की ओर से सीएम की आगवानी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्यारह बजकर अड़तीस मिनट पर मंच पर पहुंचे। उन्होने यहां आयोजित कार्यक्रम में छत्तीस मिनट के अपने भाषण में अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण को लेकर कांग्रेस व सपा शुरू से ही पीड़ा में गुजर रही है। उन्होने कहा कि कांग्रेस और सपा की भगवान राम के प्रति कभी भी आस्था नही रही। उन्होने कहा कि धर्म के नाम पर इन दोनों पार्टियों ने जनता की गाढ़ी कमाई को वक्फ की जमीन तथा कब्रिस्तान की चहरदीवारी के नाम पर बर्बाद किया। उन्होने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की मांग पर चंदे में धांधली को लेकर प्रदेश सरकार ने फौरन एसआईटी का गठन किया। उन्होने कहा कि एसआईटी वहां चंदे प्रकरण में जल्द ही दूध का दूध और पानी का पानी स्पष्ट कर देगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ जिले के आंवला उत्पादन तथा रस मलाई का भी जमकर बखान किया। वहीं सीएम ने जगदगुरू स्वामी करपात्री जी महराज तथा जगदगुरू कृपालु जी महराज जैसे सन्तों से भी प्रतापगढ़ के गौरव को नमन योग्य कहा। सीएम ने पं0 मुनीश्वरदत्त उपाध्याय, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल गौड़ की जन्मभूमि होने का भी प्रतापगढ़ के लिए विशाल परिचय कहा। पौराणिक स्थली बाबा घुश्मेश्वरनाथ धाम, भयहरणनाथ धाम, मां बेल्हा देवी एवं मां चन्द्रिका देवी की भी महिमा का सीएम ने गुणगान किया। उन्होने गंगा एक्सप्रेसवे से जिले को जोड़ने की उपलब्धि को यहां के विकास के लिए मजबूत पैगाम कहा। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है और हर क्षेत्र तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मंच से बिहार पब्लिक सर्विस कमीशन की टॉपर श्रद्धा पाण्डेय को सम्मानित भी किया।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म के आरोपी को चारबाग बस अड्डे से गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की नाका हिण्डोला पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती का कथित रूप से शारीरिक शोषण करने के मामले में वांछित एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध पीड़िता की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 69 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के दौरान की गई।पुलिस के अनुसार 20 मई 2026 को पीड़िता ने थाना नाका हिण्डोला में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि अहमदाबाद निवासी एजाज मिर्जा ने उससे विवाह करने का आश्वासन दिया और इसी भरोसे पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। बाद में आरोपी ने विवाह नहीं किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर थाना नाका हिण्डोला में मुकदमा संख्या 82/2026, धारा 69 बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिमी ने आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे। इसके बाद थाना नाका हिण्डोला पुलिस की टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी रही। मंगलवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने चारबाग बस अड्डे के टिन शेड की बाउंड्री के पास घेराबंदी कर आरोपी एजाज मिर्जा (37) पुत्र अजीज मिर्जा, निवासी मोती बलूच वाड़, भंडारी पोल, थाना कालूपुर, जनपद अहमदाबाद (गुजरात) को गिरफ्तार कर लिया।

लखनऊ में "आईवीएफ में जेनेटिक टेस्टिंग" विषय पर सीएमई कार्यक्रम आयोजित

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार हो रहे आधुनिक बदलावों और नई तकनीकों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से राजधानी लखनऊ के प्रतिष्ठित होटल क्लार्क अवध में "आईवीएफ में जेनेटिक टेस्टिंग के अनुप्रयोग" विषय पर एक विशेष सीएमई (Continuing Medical Education) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेशभर से आए वरिष्ठ चिकित्सकों, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों तथा स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य लोगों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीएमएस, लखनऊ किरण कुमारी दास रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज के समय में आधुनिक चिकित्सा तकनीकें स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बना रही हैं। उन्होंने चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में तकनीक का समावेश भविष्य की बड़ी आवश्यकता है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. सुधांशु दीक्षित उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आईवीएफ उपचार में जेनेटिक टेस्टिंग की भूमिका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने इस प्रकार के वैज्ञानिक आयोजनों को चिकित्सा जगत के लिए उपयोगी बताते हुए आयोजकों को बधाई दी।

कार्यक्रम में प्रसिद्ध आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. दिशा दत्ता चौधरी ने विषय पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि आईवीएफ एवं जेनेटिक टेस्टिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से निःसंतान दंपत्तियों को नई उम्मीद मिल रही है। इससे न केवल सफल गर्भधारण की संभावना बढ़ती है, बल्कि अनुवांशिक बीमारियों की रोकथाम में भी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और सही जानकारी के अभाव में कई लोग इन सुविधाओं का लाभ नहीं उठा पाते, इसलिए इस प्रकार के शैक्षणिक एवं वैज्ञानिक कार्यक्रम समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

वहीं इस दौरान सीड्स आईवीएफ से संतोष चौधरी ने कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल उपचार प्रदान करना नहीं, बल्कि लोगों को सही जानकारी और भावनात्मक सहयोग उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने बताया कि सीड्स आईवीएफ आधुनिक तकनीकों एवं अनुभवी विशेषज्ञों की सहायता से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे सीएमई कार्यक्रम चिकित्सकों के ज्ञानवर्धन के साथ-साथ समाज में सकारात्मक स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का भी माध्यम बनते हैं।

इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों ने सक्रिय सहभागिता की तथा विषय से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वहीं विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों से डॉक्टर्स ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में खुशी फॉउण्डेशन की ओर से सोशल मेडिकल ट्रेनर डॉ. विनीता ने संस्था द्वारा चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में किए जा रहे सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान डॉ. द्विवेदी ने बताया कि खुशी फॉउण्डेशन द्वारा देशभर में निरंतर सीपीआर (CPR), बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS), प्राथमिक उपचार (First Aid) सहित विभिन्न सामाजिक एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन अभियानों का उद्देश्य आम नागरिकों, युवाओं, विद्यार्थियों तथा विभिन्न संस्थानों के कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित एवं सशक्त बनाना है।

उन्होंने कहा कि फॉउण्डेशन स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में जनसेवा के उद्देश्य से निरंतर कार्य कर रहा है तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण, जागरूकता अभियान और जनहित कार्यक्रम संचालित कर रहा है। डॉ. विनीता इन प्रशिक्षण अभियानों का नेतृत्व करते हुए जन-जागरूकता को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

कार्यक्रम का आयोजन सीड्स आईवीएफ एवं खुशी फॉउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। आयोजन को सफल बनाने में खुशी फॉउण्डेशन की सचिव ऋचा द्विवेदी का विशेष योगदान रहा। उन्होंने सभी अतिथियों, चिकित्सकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों को सम्मानित भी किया गया। अतिथियों ने सम्मानित चिकित्सकों के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चिकित्सकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा स्वास्थ्य सेवाओं में आधुनिक तकनीकों के अधिकाधिक उपयोग को बढ़ावा देने का संकल्प लिया गया।

महिला आरक्षण को जनगणना और परिसीमन से अलग कर तत्काल लागू किया जाए : प्रतिनिधिमंडल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मंगलवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में महिला संगठनों, विभिन्न नेटवर्कों तथा नागरिक समाज से जुड़े प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर महिला आरक्षण के शीघ्र क्रियान्वयन की मांग उठाई।

प्रतिनिधिमंडल ने संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 के तहत महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू करने तथा इसे जनगणना एवं परिसीमन की प्रक्रिया से अलग किए जाने की मांग संबंधी ज्ञापन उन्हें सौंपा।प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि महिला आरक्षण महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों और राजनीतिक भागीदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में इसे जनगणना और परिसीमन जैसी प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जोड़कर इसके क्रियान्वयन में विलंब करना उचित नहीं है।

प्रतिनिधियों ने आग्रह किया कि संसद के आगामी मानसून सत्र में संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम में आवश्यक संशोधन कर महिला आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।प्रतिनिधिमंडल ने अखिलेश यादव से अनुरोध किया कि समाजवादी पार्टी संसद के भीतर और बाहर इस मांग का समर्थन करे तथा केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण को जनगणना एवं परिसीमन से अलग कर लागू करने के लिए दबाव बनाए। उनका कहना था कि वर्तमान में राज्य विधानसभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम है, इसलिए उन्हें बिना किसी और विलंब के राजनीतिक भागीदारी का अधिकार मिलना चाहिए।अखिलेश यादव ने प्रतिनिधिमंडल की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा महिलाओं को राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण का शीघ्र क्रियान्वयन होना चाहिए ताकि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।उन्होंने यह भी कहा कि महिला आरक्षण केवल लोकसभा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि राज्यसभा और विधान परिषदों में भी लागू किया जाना चाहिए, जिससे महिलाओं को सभी विधायी संस्थाओं में समान और प्रभावी प्रतिनिधित्व प्राप्त हो सके।

प्रतिनिधिमंडल में रूपरेखा वर्मा, मधु गुप्ता, वंदना मिश्रा, सरोजिनी बिष्ट, मीना सिंह, कान्ति मिश्रा, वंदना राय, नाईश हसन और रीता चौधरी शामिल रहीं।

एथेनॉल मिश्रित ईंधन नीति की स्वतंत्र समीक्षा कराए केंद्र सरकार : अजय राय

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण की नीति पर देशभर में उठ रहे सवालों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने करोड़ों परिवारों की आर्थिक सुरक्षा, जल संसाधनों, खाद्य सुरक्षा, पर्यावरण, परिवहन व्यवस्था तथा सरकार की नीतियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एथेनॉल नीति की स्वतंत्र वैज्ञानिक, तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय समीक्षा कराने की मांग की है।अजय राय ने अपने पत्र में कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण को तेजी से लागू कर रही है तथा भविष्य में इससे अधिक एथेनॉल मिश्रित ईंधन की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। उनका कहना है कि यह केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि ऐसा निर्णय है जिसका प्रभाव आने वाले वर्षों में करोड़ों परिवारों, देश की अर्थव्यवस्था, जल संसाधनों, कृषि, परिवहन व्यवस्था और उपभोक्ताओं की जीवनभर की बचत पर पड़ेगा।उन्होंने कहा कि देश में 35 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहन हैं, जिनमें अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवारों, किसानों, छोटे व्यापारियों, टैक्सी और ऑटो चालकों के हैं। अधिकांश लोग एक बार वाहन खरीदने के बाद 10 से 20 वर्षों तक उसका उपयोग करते हैं। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या आम नागरिक बार-बार नया वाहन खरीदने की स्थिति में हैं।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि भविष्य में अधिक एथेनॉल मिश्रित ईंधन को बढ़ावा दिया जाएगा, तो क्या वर्तमान में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के अनुरूप बने वाहन भी कुछ वर्षों बाद अनुपयुक्त नहीं हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आर्थिक सुरक्षा और उनकी जीवनभर की पूंजी से जुड़ा प्रश्न है।अजय राय ने मांग की कि यदि एथेनॉल मिश्रित ईंधन पूरी तरह सुरक्षित और भविष्य के लिए सर्वोत्तम विकल्प है, तो उससे संबंधित सभी स्वतंत्र वैज्ञानिक अध्ययन, परीक्षण रिपोर्ट और दीर्घकालिक इंजन परीक्षण सार्वजनिक किए जाएं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि सभी वाहन समान रूप से उपयुक्त हैं, तो अलग-अलग श्रेणियों के वाहन बनाने की आवश्यकता क्यों पड़ी।उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तथ्यों के अनुसार पेट्रोल और एथेनॉल दोनों अलग-अलग प्रकार के ईंधन हैं। एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में प्रति लीटर कम ऊर्जा होती है, जिससे वाहन के औसत पर प्रभाव पड़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देते समय दावा किया गया था कि इससे ईंधन सस्ता होगा, लेकिन उपभोक्ताओं को इसका लाभ नहीं मिला और मिश्रित पेट्रोल लगभग उसी कीमत पर उपलब्ध है।अजय राय ने पत्र में कहा कि देश में एथेनॉल मुख्य रूप से गन्ने तथा अब तेजी से बढ़ रहे मक्का उत्पादन से तैयार किया जा रहा है। इन फसलों की खेती और एथेनॉल निर्माण में बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। ऐसे समय में जब देश के कई राज्य जल संकट का सामना कर रहे हैं, तब इस नीति का भूजल, कृषि और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले दीर्घकालिक प्रभावों का स्पष्ट आकलन आवश्यक है।उन्होंने आशंका जताई कि यदि भविष्य में एथेनॉल उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर मक्का की आवश्यकता होगी, तो भारत को मक्का आयात करना पड़ सकता है।

आस्था के मुखौटे में अवसरवादी राजनीति

राम मंदिर चढ़ावा अपहार प्रकरण ने हिंदू समाज के विश्वास को ठेस पहुंचाई है। धर्म शास्त्रों में मंदिर से जुड़ी संपत्ति के लिए 'देवद्रव्य' शब्द का प्रयोग मिलता है। इसमें केवल देवताओं के आभूषण ही नहीं, बल्कि भूमि, दान, अनाज, पशुधन और पूजा सामग्री जैसी सभी वस्तुएं शामिल थीं। एक बार समर्पित हो जाने के बाद यह संपत्ति व्यक्तिगत नहीं रह जाती थी, और इसके अपहार को प्रायः केवल आर्थिक अपराध के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इन्हें आस्था और सामाजिक विश्वास पर चोट के रूप में भी समझा जाता है।

विपक्षी दल इस प्रकरण की आड़ में भारतीय जनता पार्टी पर आक्षेपों की बौछार कर रहे हैं। ये वहीं दल और नेता हैं जिन्होंने अयोध्या केस, राम मंदिर निर्माण और मंदिर से जुड़े विशेष अवसरों पर बड़ी निर्लज्जता से निम्नस्तरीय राजनीति की। रामकाज में पग—पग पर बाधा डाली। ऐसे में इन दलों और नेताओं का एकाएक भगवान राम और राम मंदिर के प्रति उमड़ा प्रेम, आदरभाव, चिंता और सक्रियता उन्हें प्रश्नों और संदेह के घेरे में खड़ा करती है।

देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस को सनातन धर्म, हिंदुओं और राम मंदिर से कितनी चिढ़ है, इसके तमाम प्रमाण हैं। गांधी परिवार ने राम मंदिर निर्माण का कभी समर्थन नहीं किया। कांग्रेस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा था कि राम, सीता, हनुमान और वाल्मीकि काल्पनिक किरदार हैं। तीन तलाक पर सुनवाई के दौरान कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने इस्लामी कुरीति की तुलना भगवान श्रीराम से की थी। राम मंदिर वाद का निर्णय टालने का हरसंभव प्रयास कांग्रेस ने किया। राम मंदिर के भूमि पूजन पर रोक लगाने के लिए राहुल गांधी के करीबी साकेत गोखले ने याचिका दायर की थी।

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई ने अपने 7 नेताओं को इसलिए निष्कासित कर दिया, क्योंकि उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप में 'जय श्रीराम' लिखा था। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने जय श्रीराम कहने वालों की तुलना राक्षस से की थी। अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय में इतिहास की सहायक प्रोफेसर ऑड्रे ट्रुश्के ने एक ट्वीट में, भगवान राम को महिला से द्वेष करने वाला और असभ्य बताया था। विवादित ट्वीट करने वाली महिला के समर्थन में कांग्रेस पार्टी न सिर्फ ट्वीट किया बल्कि अपने अखबार नेशनल हेराल्ड में एक लेख भी छापा।

1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के निर्देश पर पुलिस ने गोलियां चलाई थी। कारसेवकों के रक्त से सरयू का जल लाल हो गया था। अपने विशेष वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए भगवान राम के अपमान और उससे जुड़े मुद्दों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की चुप्पी सर्वविदित है।

राष्ट्रीय जनता दल के नेता लालू प्रसाद यादव भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण में उस समय प्रमुख बाधा बने थे, जब रथ लेकर निकले भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार किया था। राजद नेता जगदानंद सिंह ने अयोध्या में बन रहे भगवान श्रीराम के मंदिर की जगह को 'नफरत की जमीन बताकर भगवान श्रीराम का अपमान किया था।

आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा था, ₹जब बाबरी मस्जिद का ध्वंस हुआ तो मैंने नानी से पूछा कि नानी अब तो आप बहुत खुश होगे। अब आपके भगवान राम का मंदिर बनेगा। नानी ने कहा कि ना बेटा, मेरा राम किसी की मस्जिद तोड़कर ऐसे मंदिर में नहीं बस सकता।₹ तृणमूल कांग्रेस की नेता और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जय श्रीराम के उद्घोष पर कैसे नाराज होती थी, ये दृश्य देशवासियों ने देखे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि आजादी के बाद के लंबे कालखंड तक तथाकथित सेक्युलर और तुष्टिकरण की राजनीति करने वाले राजनीतिक दलों ने हिन्दुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बना कर रखा। पिछले एक दशक में हिंदू मानस सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक तौर जाग्रत हुआ है। इसका श्रेय मोदी सरकार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के प्रयासों को जाता है। वहीं तुष्टिकरण की राजनीति के तहत जब भी किसी दल ने सनातन संस्कृति पर अनुचित टिप्पणियां कीं या हिंदू समाज का अहित सोचा, उस समय हिंदू समाज के साथ भाजपा ने उसकी निंदा की और सुदृढ़ पक्ष लिया। इसी कारण उसने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए शुरू किए गए आंदोलन का खुलकर समर्थन किया। भाजपा विरोधी दल भले ही अपने एजेंडे के तहत हिंदुत्व को कटघरे में खड़ा करते रहे हों, लेकिन भाजपा ने उससे कभी समझौता नहीं किया। राम मंदिर का निर्माण भाजपा के एजेंडे में शामिल रहा। हिंदूवादी संगठनों और भाजपा के प्रयासों, संघर्षों और प्रतिबद्धता के फलस्वरूप अयोध्या में भव्य, राम मंदिर बना है। राम मंदिर का निर्माण करोड़ों हिंदुओं के सहयोग से हुआ है। सरकारी कोष का एक नया पैसा भी मंदिर निर्माण में नहीं लगा। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हुआ।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

नैनो उर्वरक-छत्तीसगढ़ के खेती-किसानी में आई नई क्रांति

नैनो उर्वरक अत्यंत सूक्ष्म कणों से निर्मित होते हैं, जिन्हें पौधे तेजी से और अधिक मात्रा में अवशोषित कर लेते हैं।

तेजबहादुर सिंह भुवाल

छत्तीसगढ़ को देश का धान का कटोरा कहा जाता है। यहां की अधिकांश आबादी कृषि पर निर्भर है और किसानों की समृद्धि राज्य के विकास से सीधे जुड़ी हुई है। बदलते समय के साथ खेती में नई तकनीकों का उपयोग बढ़ रहा है, जिनमें नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार के रूप में उभरा है। कम लागत, अधिक प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण जैसे गुणों के कारण नैनो उर्वरक आज किसानों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा हैं।

नैनो उर्वरक अत्यंत सूक्ष्म कणों से निर्मित होते हैं, जिन्हें पौधे तेजी से और अधिक मात्रा में अवशोषित कर लेते हैं। इसके कारण पौधों को आवश्यक पोषक तत्व सही समय पर उपलब्ध हो जाते हैं और फसलों का विकास बेहतर तरीके से होता है। पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में इनकी मात्रा कम लगती है, जिससे किसानों का खर्च घटता है और उत्पादन में वृद्धि होती है।

छत्तीसगढ़ में धान, मक्का, चना, अरहर तथा सब्जी फसलों में नैनो यूरिया और नैनो डीएपी का उपयोग किसानों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। प्रदेश में कई किसानों ने अनुभव किया है कि नैनो उर्वरकों के प्रयोग से फसल की पैदावार बेहतर होती है, पौधे अधिक हरे-भरे रहते हैं और उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

नैनो उर्वरकों का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इनके उपयोग से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव कम पड़ता है। रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से जहां भूमि की गुणवत्ता प्रभावित होती है, वहीं नैनो उर्वरक संतुलित पोषण प्रदान कर मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायता करते हैं। साथ ही जल स्रोतों में रासायनिक तत्वों के बहाव को भी कम करते हैं, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है।

परिवहन और भंडारण की दृष्टि से भी नैनो उर्वरक काफी सुविधाजनक हैं। पारंपरिक उर्वरकों की भारी बोरियों की जगह छोटी बोतलों में उपलब्ध नैनो उर्वरक किसानों के लिए आसानी से ले जाने और उपयोग करने योग्य होते हैं। इससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है।

छत्तीसगढ़ सरकार किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नैनो डीएपी और नैनो यूरिया जैसे उन्नत उर्वरकों के उपयोग को बढ़ावा देकर खेती को अधिक उत्पादक, किफायती और टिकाऊ बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आधुनिक तकनीक और नवाचार आधारित खेती ही भविष्य की कृषि का आधार है। नैनो उर्वरकों का उपयोग न केवल किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ कृषि व्यवस्था को भी बढ़ावा देगा।

छत्तीसगढ़ सरकार तथा कृषि विभाग किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रही हैं। इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी ने भी राज्य के किसानों से अपील की है कि वे वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों और नवीन तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाएं। उन्होंने किसानों को नैनो उर्वरकों के उपयोग के प्रति जागरूक होने तथा कृषि विशेषज्ञों की सलाह के अनुसार इनका प्रयोग करने का आग्रह किया है, ताकि उत्पादन बढ़े, लागत घटे और किसानों की आय में वृद्धि हो सके।

वर्तमान में कृषि क्षेत्र में बढ़ती लागत और संसाधनों की सीमित उपलब्धता के बीच नैनो उर्वरक किसानों के लिए एक प्रभावी विकल्प बनकर सामने आए हैं। यह तकनीक कम खर्च में बेहतर उत्पादन, स्वस्थ मिट्टी और सुरक्षित पर्यावरण का मार्ग प्रशस्त करती है। यदि छत्तीसगढ़ के किसान वैज्ञानिक सलाह और संतुलित उपयोग के साथ नैनो उर्वरकों को अपनाते हैं, तो आने वाले समय में यह राज्य की कृषि उन्नति और किसानों की आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकता है। निस्संदेह, नैनो उर्वरक छत्तीसगढ़ के किसान भाइयों के लिए आधुनिक खेती का नया वरदान साबित हो सकता है।

लेखक सहा. जनसंपर्क अधिकारी हैं

टिप्पणी

डिजिटल आत्म-पीड़न

सृष्टि के प्रारंभ में विधाता ने मनुष्य बनाया था, लेकिन इस डिजिटल कलयुग में मार्क जुकरबर्ग ने 'फेसबुकिया मनुष्य' का मुखपोथी आविष्कार कर दिया ।

इसके साथ ही अवतरित हुआ एक नया वैश्विक संताप , 'डिजिटल आत्म-पीड़न'। इस नए युग का मूल मंत्र बेहद अनूठा है, जहाँ लोग दूसरों की खुशियों की रंगीनियों से इस तरह आहत हो रहे हैं मानो किसी ने उनके अपने ही घर की बिजली काट दी हो। आहत होने का फैशन है, आस्था पर तो प्रहार , मानहानि के मुकदमों की भरमार है। स्थिति यह है कि जिनकी रचनात्मक क्षमता सीमित है वे केवल अपनी खुद की फेसबुक दीवार पर 'फ्लाइंग फ्रॉम अमुक जगह टू तमुक जगह' के गूगल मैप का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हैं, तो कई परम ज्ञानियों के सीने पर सीधे हवाई जहाज लैंड कर जाता है। वे भूल जाते हैं कि पोस्ट करने वाले का मकसद किसी को नीचा दिखाना नहीं, बल्कि अपनी यादों के डिजिटल शोरूम में स्वयं की विविधता को बतौर डिजिटल डायरी समेटना है । ताकि भविष्य में जब वे कोई यात्रा-संस्मरण या ट्रैवलॉग लिखें, तो संदर्भ सुरक्षित रहें। वे किसी को टैग भी नहीं कर रहे होते, फिर भी ईर्ष्या की भट्टी में खुद को झोंकने वाले स्वैच्छिक रूप से कुढ़ने का असीम सुख ढूंढ ही लेते हैं। यदि कोई यह नहीं भी लिखेगा कि वह कहां से क्या लिख रहा है तो उससे आपकी सेहत बनने या बिगड़ने वाली नहीं होती । लोगों की खुशियों में शामिल होना ही वैश्विकता है। विश्व कप फुटबॉल के लम्हे तो जीने वाले जीते ही रहेंगे, लाइव स्टेडियम में बैठकर , ऐसे लोग मैच देखें या न देखें। लोग तो अपनी थाली के भोजन से लेकर अपने रहन-सहन का कैनवास वैश्विक कर रहे हैं, जिससे अगर चश्मा बदलकर देखा जाए तो बहुत कुछ सीखा जा सकता है, मगर यहाँ तो समस्या यह है कि सामने वाले की थाली का पनीर आँखों में कंकड़ की तरह चुभ रहा होता है।

ये वे ही कुंठित मनोवृत्ति के लोग होते हैं, जो महिलाओं पर व्यक्ति परक कविताएं लिखकर उनकी चरण वंदना करने के दैवीय सुख पाने की चेष्टा में फैसबुक का इस्तेमाल करने से नहीं चूकते या सुंदर महिलाओं की फोटो देख, अपने सफेद बालों की परवाह किए बिना,उनके इनबॉक्स में अनाधिकार मैसेज कर उनकी निजता में दखल के लिए फटकारे जाने में गर्व की अनुभूति करते हैं। इस आत्म-पीड़न का सबसे मजेदार पहलू यह है कि फेसबुक ने इस भारी कष्ट से मुक्ति के लिए 'अनफ्रेंड', 'अनफॉलो' और 'ब्लॉक' जैसे परम दिव्य और सहज ब्रह्मास्त्र मुफ्त में दे रखे हैं। छुओ और मुक्त हो जाओ! पर नहीं, रील भी पूरी देखनी है, पोस्ट पर खोजी नजर भी गड़ाए रखनी है और फिर कढ़ाई के तेल की तरह खौलना भी पूरा है। दुनिया में अरबों लोग रोज न जाने क्या-क्या अद्भुत कर रहे हैं, अब अगर तुम्हारी मुख-पोथी का कोई परिचित भी अपने बल पर या अपने बच्चों के बल से जिंदगी थोड़ी शिद्दत से जी रहा है, तो उससे कलेजा सुलगाने का क्या तुक? इस कूपमंडूकता का एक और नया और डरावना रूप तब देखने को मिलता है जब बात 'ए.आई.' यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के रचनात्मक प्रयोग पर आती है। तकनीक के नाम पर केवल व्हाट्सएप फॉरवर्ड और गुड मॉर्निंग इमेज भेजने वाली जमात उन रचनाकारों से घोर ईर्ष्या कर रही है जो ए.आई. का गुणवत्तापूर्ण उपयोग कर समकालीन लेखन और कला को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं। समय के साथ नवाचार को अपनाना ही हमेशा से प्रगति का पैमाना रहा है, वरना रूढ़विादी सोच के साथ तो हम आज भी 'ताड़-पत्र' और 'मोरपंख' लेकर स्याही सुखा रहे होते।

आज ए.आई. के साथ कदमताल मिलाकर उत्कृष्ट और प्रासंगिक लिखना लेखन की एक आधुनिक कला है जिसे पूरी दुनिया सलाम कर रही है, मगर कूपमंडूक इसे मानने को तैयार नहीं क्योंकि वे खुद इस रेस में पीछे छूट चुके हैं। अंततः, डिजिटल युग में दूसरों की खुशियों और हुनर को अपनी जलन का बैकग्राउंड म्यूजिक बनाने के बजाय, खुद के कैनवास को बड़ा करना ही बुद्धिमानी है।

वरना फेसबुक की इस रंगीन दुनिया में लोग तो लाइव आते रहेंगे और जलने वाले सिर्फ राख होते रहेंगे।

इस प्रवृति पर बुंदेलखंड में लोकोक्ति है, सूप तो सूप, छलनी बोले जिसमें बहत्तर छेद ।

अस्तु । कहना यही है कि बजाय प्रत्युत्तर देने के कैनवास वैश्विक कीजिए और दुनिया का सकारात्मक आनंद फेसबुक सर्फिंग से लीजिए और मंद मंद मुस्कुराइये

ब्लॉग

नारी शक्तिः वादों से लेकर कर दिखाने तकः ब्रिक्स में भारत का योगदान

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

भारत ने 1 जनवरी 2026 को लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण की थीम के तहत ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली। महिलाओं से जुड़े मामलों में हमारा योगदान बेहद खास रहा है। हम सिर्फ़ कोई नारा या तारीफ़ के लिए सफल कहानियों का संग्रह पेश नहीं कर रहे हैं। हम एक ऐसा कामकाजी ढांचा लेकर आए हैं, जो करोड़ों महिलाओं तक पहुँचा है। यह ढांचा सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां से शुरू होकर जहाँ भी जाता है, वहाँ आगे और विकसित होने के लिए तैयार रहता है।

यही भारत की खास बात है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से ज़्यादा समय से भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एक राष्ट्रीय मिशन के तौर पर अपनाया है और इस काम को इतने बड़े पैमाने पर किया है, जिसकी बराबरी बेहद कम देश कर सकते हैं। 2023 में अपनी त्र20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने वैश्विक सोच को महिलाओं के विकास से बदलकर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की ओर मोड़ने में मदद की। यह महज़ शब्दों का बदलाव नहीं था, बल्कि सोच का भी बदलाव था। महिलाओं को सिर्फ़ लाभार्थी के तौर पर देखने के बजाय, उन्हें नेतृत्वकारी भूमिका में देखना। कोच्चि में हम इसी बदलाव से जुड़ा सवाल उठा रहे हैंः एक बार वादा करने के बाद, उसे बड़े पैमाने पर, आख़िरी गाँव की आख़िरी महिला तक कैसे पहुँचाया जाए? भारत ने पिछले दस सालों में सिर्फ़ सैद्धांतिक तौर पर नहीं, बल्कि असल में इस सवाल का जवाब दिया है।

भारत के लिए यह सोच नई नहीं, बल्कि बहुत पुरानी है। विकास की भाषा के आने से काफी पहले ही, हमारी संस्कृति ने नारी को शक्ति, ज्ञान और समृद्धि का स्रोत माना था। ये तीनों ही वे आधार हैं, जिन पर कोई भी समाज तरक्की करता है और उन्हें देवी दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता रहा है। दैवीय शक्ति को ही शक्ति कहा जाता है और संस्कृत के एक प्रसिद्ध श्लोक के अनुसार, जहाँ महिलाओं का सम्मान होता है, वहाँ देवता भी प्रसन्न होते हैं। यह सम्मान सिर्फ़ दिखावे के लिए नहीं थाः लोपामुद्रा और घोषा जैसी महिला ऋषियों ने ऋग्वेद के मंत्रों की रचना की और गार्गी और मैत्रेयी जैसी दार्शनिकों ने उपनिषदों के प्रसिद्ध वाद विवादों में अपनी बात मज़बूती से रखी। इसलिए, भारत के लिए महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास, किसी और से लिया हुआ विचार नहीं है, बल्कि एक प्राचीन विचार का ही आधुनिक रूप है।

शुरुआत फ़ैसला लेने की प्रक्रिया से करते हैं। भारत की पंचायती राज संस्थाओं में चुने गए प्रतिनिधियों में से लगभग आधी महिलाएँ हैं, जो दुनिया में चुनी हुई महिला नेताओं के सबसे बड़े समूहों में से एक है। इसके अलावा नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का अंत सिर्फ़ प्रतिनिधित्व तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यहां से इसकी शुरुआत होती है। ऐसा मॉडल, जो महिलाओं को सेवाएँ तो देता है, लेकिन उन सेवाओं को तय करने वाले फ़ैसलों में उन्हें शामिल नहीं करता, वह असल में महिलाओं के नेतृत्व वाला मॉडल नहीं है।

भारत में सेवा पहुँचाने का ढाँचा तीन हिस्सों पर टिका है, जो एक साथ मिलकर ही काम करते हैं। पहला हिस्सा है पहुँचः डिजिटल जन अवसंरचना, फ़ायदों को सीधे महिलाओं के हाथों तक पहुँचाती है। आधार से जुड़े ट्रांसफ़र उन बिचौलियों की भूमिका को खत्म कर रहे हैं, जो पहले मदद पहुँचने से पहले ही उसे दूसरी तरफ़ मोड़ देते थे। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना इस पहुँच का व्यावहारिक उदाहरण है। 4.26 करोड़ से ज़्यादा माताओं को मातृत्व लाभ के तौर पर 20,060 करोड़ रुपये से ज़्यादा की राशि सीधे उनके आधार से जुड़े खातों के ज़रिए मिली है। दूसरा हिस्सा है संस्थाएँः डीएवाई-एनआरएलएम के तहत, 10.05 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण महिलाओं को 90.90 लाख से ज़्यादा स्वयं-सहायता समूहों में संगठित किया गया है, जो दुनिया में महिलाओं के नेतृत्व वाली सामुदायिक संस्थाओं का सबसे बड़ा नेटवर्क है। तीसरा हिस्सा है गतिशीलता—यानी मूल्य श्रृंखला में हमेशा सबसे नीचे बने रहने के बजाय ऊपर की ओर बढ़ने का एक सोच-समझकर चुना गया रास्ता। भारत अब 65,949 एसएचजी महिलाओं को बिज़नेस कॉरेस्पोंडेंट एजेंट यानी बीसी सखी के तौर पर तैनात कर रहा है, जो दूर-दराज़ के इलाकों में जमा, क्रेडिट, धनराशि भेजने और पेंशन सेवाएँ पहुँचाती हैं। जो महिला कभी किसी लाभ के लिए कतार में लगती थी, अब वही महिला उस लाभ को दूसरों तक पहुँचाती है।

कुल मिलाकर ये सब मिलकर भागीदारी को आमदनी और मालिकाना हक में बदलते हैं। लखपति दीदी पहल के तहत, जून 2025 तक 1.48 करोड़ स्वयं सहायता समूह महिलाओं की सालाना कमाई कम से कम 1 लाख रुपए तक पहुँच गई थी और जनवरी 2026 में शुरू किए गए उद्यमिता पर केंद्रित एक राष्ट्रीय अभियान का मकसद 50,000 सामुदायिक संसाधन व्यक्ति के ज़रिए 50 लाख अतिरिक्त महिलाओं को प्रशिक्षण देना है। तरक्की का यही रास्ता औपचारिक कारोबार में भी दिखता हैः पीएमएमवाई के तहत दिए गए ऋण में से 69 प्रतिशत और स्टैंड-अप इंडिया के लाभार्थियों में से 84 प्रतिशत महिलाएँ हैं। डीपीआईआईटी द्वारा मान्यता प्राप्त 2.12 लाख स्टार्टअप्स में से 1.02 लाख से ज़्यादा स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या हिस्सेदार है और इनमें से कई स्टार्टअप बड़े शहरों के बजाय छोटे शहरों में हैं। हम ब्रिक्स को ये ब्रांड नाम नहीं, बल्कि उनके पीछे की कहानी पेश करते हैंः पहले पहुँच, फिर संस्थाएँ और फिर लाभार्थी से उद्यमी बनने का एक व्यवस्थित मार्ग।

आँकड़े भी इस बदलाव को दिखाते हैं। भारत में महिलाओं की कामकाजी आबादी में भागीदारी 2017-18 में 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 41.7 प्रतिशत हो गई है और इसी दौरान महिलाओं में बेरोज़गारी दर 5.6 प्रतिशत से घटकर 3.2 प्रतिशत हो गई है। अब पहले से कहीं ज़्यादा महिलाएँ कार्यबल का हिस्सा हैं, इसलिए हमारा फोकस अब अगले चरण पर है, उनके काम की गुणवत्ता और आमदनी को और बेहतर बनाना।

इस साल महिलाओं से जुड़े कामों के लिए चार प्राथमिकता वाले क्षेत्र तय किए गए हैं और इनमें से एक सीधे हमारे अनुभव से जुड़ा हैः जलवायु कार्यवाही, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका। इस बारे में साक्ष्य भी साफ नतीजे बयां करते हैंः जब फैसले लेने की प्रक्रिया में महिलाएं शामिल होती हैं, तो पोषण बेहतर मिलता है और समुदाय चुनौतियों का बेहतर ढंग से सामना कर पाते हैं। यह कोई काल्पनिक बात नहीं है। झारखंड में महिला किसानों को ऐसी बीजों की किस्मों की जानकारी है, जो सूखे के दौरान भी बची रहती हैं। राजस्थान में महिला पशुपालकों को उन रास्तों की भी जानकारी है, जिनसे सूखे के समय मवेशियों को सुरक्षित ले जाया जा सकता है। भारत का काम ऐसे संस्थान बनाना रहा है, जो इस जानकारी और अनुभव का इस्तेमाल करें, न कि इसे नज़रअंदाज़ करें। मिशन पोषण 2.0 आंगनवाड़ी नेटवर्क के ज़रिए चलाया जाता है, जिसमें महिलाएं काम करती हैं और वे ही लोगों तक सेवा पहुंचाने की भरोसेमंद कड़ी होती हैं। जलवायु के अनुसार ढलने का काम भी इसी तरह होता है, चाहे वह लद्दाख में महिलाओं द्वारा बनाए गए ऊंचे इलाकों में पानी जमा करने के ढांचे हों या ओडिशा के तट पर वनस्पति के घने इलाकों को बचाने वाली समितियां। महिलाएं अब सिर्फ़ अनुकूलन की तकनीक का इस्तेमाल करने वाली नहीं रह गई हैं, बल्कि वे खुद इसे आगे बढ़ा भी रही हैंः नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को खेती में इस्तेमाल होने वाले ड्रोन उड़ाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह ज़्यादा कौशल और ज़्यादा आमदनी वाले काम की ओर एक सोच-समझकर उठाया गया कदम है।

एक खास बात जो पूरी तरह से भारत की वास्तविक विशेषता बन गई है। एक ज़िला एक उत्पाद पहल के तहत अब 761 ज़िलों में 1,102 उत्पाद शामिल हैं। महिला समूह हथकरघा, जीआई टैग वाले शिल्प और क्षेत्रीय खाद्य पदार्थों जैसे स्थानीय विशेष उत्पादों को ब्रांडेड और तेज़ी से निर्यात होने वाले उत्पादों में बदल रहे हैं। सरकार भी इन उत्पादों के लिए बाज़ार तक पहुँचने का रास्ता बना रही हैः अवसर योजना के तहत हवाई अड्डों पर महिलाओं के लिए आरक्षित रिटेल जगह और वोकल फ़ॉर लोकल के तहत महिला-संचालित उद्यमों के लिए जेम पर एक खास स्थान। असल मायनों में यह टिकाऊ व्यवस्था है, जिसके तहत स्थानीय सामग्री, स्थानीय कौशल और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला, जो समुदाय के भीतर ही अपना मूल्य बनाए रखती हैं और ये विकास का ऐसा रूप भी है, जिसके लिए किसी महिला को बाज़ार तक पहुँचने के लिए अपना ज़िला छोड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ती।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास सरकार द्वारा की गई महज़ कोई घोषणा नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी व्यवस्था है, जिसे एक-एक हिस्से को जोड़कर तब तक बनाया और संचालित किया जाता है, जब तक कि यह उस आखिरी महिला तक न पहुँच जाए, जिसके लिए इसे बनाया गया था। जुलाई में कोच्चि में होने वाली मंत्रियों की बैठक में, भारत इस मॉडल को एक योगदान के तौर पर पेश करेगा, न कि किसी ऐसे उपाय के तौर पर, जिसे दूसरों को भी अपनाना ही हो। इसका मकसद यह है कि दूसरे इससे सीख सकें और इसे अपनी परिस्थितियों के अनुसार ढाल सकें। यही व्यवस्था और इसके सफल होने के सबूत, भारत ब्रिक्स के सामने रख रहा है। यह आदान-प्रदान दोनों तरफ से होता हैः भारत कोच्चि में अपने ब्रिक्स सहयोगियों के बेहतरीन तौर-तरीकों से सीखने और अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं)

चंपत राय को ट्रस्ट ने बताया महापुरुष...

राम मंदिर चंदा चोरी में टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव असली विलेन

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच लगातार जारी है। इस दौरान नए-नए खुलासे भी हो रहे हैं। जांच के दौरान कई तरह की खामियां सामने आई हैं। इस घोटाले में टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव का नाम काफी सुर्खियों में है। इन दोनों को ही इस घोटाले का असली विलेन बताया जा रहा है। वहीं ट्रस्ट की तरफ से चंपत राय को क्लीन चिट दे दी गई है। ट्रस्ट ने उन्हें महापुरुष बताते हुए साफ कहा है कि इस मामले में उनकी कोई गलती नही है। आइये अब टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव के बारे में जो बातें सामने आई हैं उसके बारे में जानते हैं।

रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय का सबसे करीबियों में से एक था। टिन्नू यादव को इस पूरी चोरी का मुख्य सूत्रधार (Main Character) बताया जा रहा है। उसी ने चंपत राय के साथ सबसे बड़ा विश्वास घात किया है। सूत्रों के मुताबिक मंदिर ट्रस्ट में टिन्नू यादव बतौर ड्राइवर आया था। इस दौरान धीरे-धीरे उसकी पैठ बनती चली गई। इसके बाद उसने अपनी गाड़ी ट्रस्ट में लगवा दी और दान चोरी करने वालों से कमीशन लेने लगा।

जांच में सामने आया है कि रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू शुरुआत में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के ड्राइवर के रूप में मंदिर से जुड़ा था। इसके बाद उसने अपनी निजी गाड़ी भी ट्रस्ट में किराए पर लगा दी। इस गाड़ी के एवज में उसे हर महीने ट्रस्ट से नियमित किराया मिलता था। सूत्रों के अनुसार मंदिर से जुड़ने के बाद टिन्नू का रसूख और प्रभाव लगातार बढ़ता गया। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का करीबी होने के कारण उसका ट्रस्ट के प्रशासनिक कार्यों में भी दखल बढ़ा था।

बताया जा रहा है कि टिन्नू यादव मंदिर परिसर में लगी विभिन्न हुंडियों (दान पात्रों) की चाबियां ट्रस्ट की

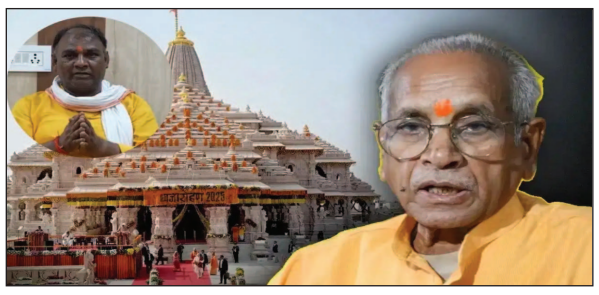

ओर से अपने पास रखता था। रिपोर्ट में कहा गया है कि उसे उसे यह जिम्मेदारी किसी लिखित या औपचारिक आदेश के बिना दी गई थी। जांच समिति ने इसे गंभीर प्रशासनिक चूक माना है क्योंकि इतने महत्वपूर्ण दायित्व के लिए कोई औपचारिक जवाब देही तय नहीं थी।

रिश्तेदार को गणना ड्यूटी में लगवाया

रिपोर्ट के अनुसार टिन्नू यादव ने अपने रिश्तेदार मनीष कुमार यादव की सिफारिश कर उसे गणना ड्यूटी में लगवाया। इसी वजह से मनीष कुमारको चोरी और गबन करने का अवसर मिला। अंतिम निष्कर्ष में समिति का कहना है कि टिन्नू यादव की भूमिका अपराध को आसान बनाने वाली प्रतीत होती है और उनके खिलाफ भी आपराधिक आशय, षड्यंत्र और अन्य संबंधित धाराओं में जांच की जानी चाहिए।

पूरा नेटवर्क टिन्नू यादव की देखरेख में चल रहा था

अभी तक की तफ्तीश में सामने आया है कि चोरी का पूरा नेटवर्क टिन्नू यादव की देखरेख में चल रहा था। सभी आरोपियों से टिन्नू के कनेक्शन की गहराई से जांच की जा रही है ताकि और भी बातें सामने आ सके। वहीं टिन्नू यादव के आर्थिक नेटवर्क की जांच तेज कर दी गई है। पुलिस अब यह भी जांच रही है कि इस आय के अलावा उसके पास और कौन-कौन से आर्थिक स्रोत थे।

प्रॉपर्टी डीलरों से टिन्नू के संपर्क

दान चोरी मामले में टिन्नू यादव एक अहम किरदार माना जा रहा है। हालांकि उसके पास से केवल एक लाख रुपए नकद बरामद हुए थे, लेकिन पुलिस सूत्रों का मानना है कि उसका आर्थिक नेटवर्क इससे कहीं बड़ा हो सकता है। जांच के दौरान कुछ प्रॉपर्टी डीलरों से टिन्नू के संपर्क सामने आए हैं। पुलिस अब यह भी खंगाल रही है कि टिन्नू किन-किन लोगों के संपर्क में था। इसके साथ ही जांच एजेंसियां टिन्नू के करीबी रिश्तेदारों, बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि चोरी से जुड़े धन का इस्तेमाल किन-किन माध्यमों से किया गया और क्या इसमें अन्य लोगों की भी भूमिका रही है।

सुभाष श्रीवास्तव ने नहीं निभाई जिम्मेदारी

वहीं इस घोटाले में सुभाष श्रीवास्तव का नाम भी जांच के दौरान सामने आया है। सुभाष श्रीवास्तव ट्रस्ट की ओर से गणना कक्ष (काउंटिंग रूम) के प्रभारी थे। रिपोर्ट के मुताबिक चोरी और गबन की सभी घटनाएं गणना कक्ष के अंदर हुईं। उनकी जिम्मेदारी थी कि सुरक्षा नियमों का पालन हो, कर्मचारियों की नियमित तलाशी हो और चोरी की कोई घटना न हो। लेकिन नियमित तलाशी नहीं कराई गई और सुरक्षा व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू नहीं हुई। जांच समिति ने माना कि गणना कक्ष के प्रभारी होने के नाते इन सुरक्षा चूकों के लिए सुभाष श्रीवास्तव प्रमुख रूप से जिम्मेदार हैं। अंतिम निष्कर्ष में यह भी कहा गया है कि उनके खिलाफ अपराध को सुगम बनाने, लापरवाही और अन्य संबंधित धाराओं में विवेचना किया जाना उचित होगा।

ट्रस्ट ने दी चंपत राय को क्लीन चिट

बीते सोमवार को ट्रस्ट की अहम बैठक हुई थी। बैठक में चंपत राय का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। बैठक में उन्हें महापुरुष बताया गया। महंत धीरेंद्र दास ने कहा कि बैठक में चंपत राय की कोई गलती नहीं पाई गई। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि राम मंदिर को दिए गए सभी सोने और चांदी के दान सुरक्षित हैं और उनका पूरा हिसाब रखा गया है। उन्होंने कहा कि ट्रस्टियों ने शुरू में चंपत राय को पद पर बनाए रखने का पक्ष लिया था क्योंकि उनके खिलाफ कोई दोष सिद्ध नहीं हुआ था, लेकिन कानूनी सलाह के बाद उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

जांच में सामने आई कईखामियां

सीसीटीवी फुटेज में कर्मचारियों द्वारा नोट छिपाने के करीब 70 मामले दिखाई दिए।
प्रवेश और निकास पर कर्मचारियों की प्रभावी तलाशी नहीं होती थी।
निजी सामान पर नियंत्रण नहीं था।
गणना प्रक्रिया की उचित निगरानी नहीं की गई।
ट्रस्ट और बैंक के बीच बने SOP और सुरक्षा नियमों का पालन नहीं हुआ।
ट्रस्ट अधिकारियों ने तलाशी संबंधी नियमों को पहले की तुलना में सरल कर दिया, लेकिन बाद में उसकी भी निगरानी नहीं की।
बैंक अधिकारियों ने कर्मचारियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का पालन नहीं कराया।
सीसीटीवी फुटेज केवल 45 दिन तक सुरक्षित रखी जाती थी, जबकि ऑडिट में इसे 180 दिन तक सुरक्षित रखने की सिफारिश की गई थी।

पति को चारपाई पर बांधकर पीटा, फिर शरीर पर तार लपेट कर दिए करंट के झटके... फतेहपुर में पत्नी की हैवानियत

आर्यावर्त संवाददाता

फतेहपुर. उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से पति पर पत्नी की हैवानियत की दिल दलहा देने वाली कहानी सामने आई है। औंग थाना क्षेत्र के परसदेपुर गांव में पति-पत्नी के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पत्नी पर अपने ही पति की हत्या की कोशिश करने का आरोप लगा है। आरोप है कि पत्नी ने पहले पति के सिर पर डंडे से हमला किया, फिर उसे चारपाई से बांध दिया और बिजली का करंट लगाकर मारने का प्रयास किया। गंभीर रूप से घायल पति का जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार किया गया, जहां से उसकी हालत नाजुक देखते हुए कानपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, परसदेपुर गांव निवासी संजीव तिवारी हलवाई का काम करते हैं। परिजनों का आरोप है कि संजीव जैसे ही काम से वापस

घर पहुंचे, उनकी पत्नी रन्नो देवी ने अचानक उन पर डंडे से हमला कर दिया। आरोप है कि इसके बाद उन्हें चारपाई से बांधकर सिर पर कई वार किए गए। इतना ही नहीं, उनके शरीर पर बिजली का तार लपेटकर करंट भी लगाया गया। परिजनों ने बताया कि घर से चीख-पुकार सुनकर जब वे मौके पर पहुंचे तो कमरे का दरवाजा बंद था। दरवाजा खोलने पर संजीव चारपाई से बंधे हुए मिले और उनके शरीर पर बिजली का तार लिपटा हुआ था। परिजनों ने तत्काल बिजली का कनेक्शन हटाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने पर कानपुर रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही औंग थाना पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने के साथ जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों के बयान भी दर्ज किए हैं। मामले में फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

क्या बोली पुलिस?

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि औंग थाना क्षेत्र में पति के साथ मारपीट और करंट लगाने के आरोप का मामला सामने आया है। घायल का इलाज कराया जा रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले मलवां थाना क्षेत्र में भी पत्नी द्वारा पति पर पेट्रोल डालकर आग लगाने की घटना सामने आई थी, जिसमें पति की मौत हो गई थी। अब औंग थाना क्षेत्र की इस घटना ने एक बार फिर जिले में सनसनी फैला दी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

15 अगस्त तक 50 हजार युवाओं का होगा पंजीकरण

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में 'माय भारत' पोर्टल पर पंजीकरण एवं जागरूकता अभियान के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान जनपद में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के 50,हजार युवाओं का 'माय भारत' पर पंजीकरण पर चर्चा हुई। इस दौरान विभिन्न हितधारकों द्वारा अपने सुझाव प्रस्तुत किए गए तथा 15 अगस्त तक 50,000 पंजीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु रणनीति निर्धारित की गई। जिलाधिकारी ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, आईटीआई, राज्य खेल विभाग, युवा कल्याण विभाग तथा एनएसएस एवं एनसीसी के नोडल अधिकारियों को पंजीकरण अभियान में सक्रिय रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त 'गोमती नदी' की स्वच्छता अभियान तथा मैराथन दौड़ के माध्यम से 'माय भारत' अभियान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया।

कांग्रेस ने निकाला सदबुद्धि पदयात्रा जुलूस

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। राममंदिर अयोध्या में हुई चंदा चोरी और चढ़ावे में बड़े पैमाने पर घपला किए जाने तथा सरकार द्वारा कथित तौर पर मुख्य आरोपियों को बचाये जाने के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शहर कांग्रेस कार्यालय सब्जी मंडी इंदिरा भवन से सद्भावना पुल के पास स्थित केरारवीर मंदिर तक सद्बुद्धि पद यात्रा जुलुस निकाल कर मुख्य आरोपियों को जेल भेजे जाने की मांग की। पदयात्रा समापन के बाद केरारवीर मंदिर परिसर में कांग्रेसियों ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। पदयात्रा को संबोधित करते हुए पार्टी के जिलाध्यक्ष डा0 प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि आस्था के नाम पर भाजपा सरकार के संरक्षण में राममंदिर में जमकर लूटपाट हुई है, चंदा चोरी और चढ़ावे में घपला हिंदू धर्म और भगवान श्री राम के भक्तों की भावनाओं के साथ धोखा और खिलवाड़ है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि सरकार जानबूझकर मुख्य आरोपी चंपतराय बंसल, नृपेन्द्र मिश्रा, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को बचा रही है। आरिफ खान ने आगे कहा कि जो राम को लाये थे उन्ही लोगों ने भगवान राम को लूट लिया। इस मौके पर कई दर्जन लोग मौजूद रहे।

जम्मू में कैंप के पास सो रहा था अमरनाथ यात्री, सांप ने डसा....यूपी के युवक की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। अमरनाथ यात्रा के दौरान एक श्रद्धालु की सांप काटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर स्थित कृष्णा नगर निवासी 42 वर्षीय अमित कुमार के रूप में हुई है। श्रद्धालु को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास के पास सोते समय सांप ने काट लिया था। इलाज के लिए उन्हें तत्काल सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (GMC) जम्मू ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बज सकी।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब 2:30 बजे हुई। अमित कुमार अपने साथियों के साथ अमरनाथ यात्रा पर आए थे और भगवती नगर स्थित मुख्य यात्री निवास के पास फुटपाथ पर आराम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें सांप ने

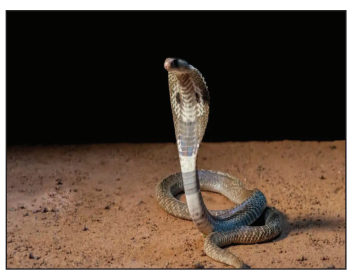

काट लिया। साथ मौजूद श्रद्धालुओं ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज शुरू किया गया।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, इलाज के दौरान अमित कुमार की हालत लगातार बिगड़ती गई और कुछ ही समय बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ। वीरेंद्र त्रिशाल ने श्रद्धालु की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि अस्पताल में सांप के काटने का मामला लाया गया था। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने की हरसंभव कोशिश की, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

साथ आए श्रद्धालु को सौंपा गया शव

मृतक के साथ यात्रा कर रहे उनके मित्र राजेश शुक्ला और अन्य तीर्थयात्री पूरे समय अस्पताल में मौजूद रहे। सभी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शाम करीब पांच बजे अमित कुमार का शव उनके साथ आए तीर्थयात्रियों को सौंप दिया गया। शव को पोस्टमार्टम के बाद सौंप दिया गया। इस घटना से अमरनाथ यात्रा पर आए श्रद्धालुओं में शोक की लहर है। प्रशासन ने यात्रियों से यात्रा के दौरान सतर्क रहने, निर्धारित स्थानों पर ही ठहरने और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने की अपील की है।

ग्रामीणों ने तैयार कर दिया है 7.80 लाख का पुल

जौनपुर। मडियांहूँ क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाने के बाद सुनवाई न होने पर ग्रामीणों को नदी के उस पार जाने में दिक्कत होती थी। उन्होंने इससे पहले ही समस्या के समाधान के लिए क्षेत्र में पुल बनवाने की मांग जनप्रतिनिधियों से की थी, लेकिन काफी समय तक जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो सभी ग्रामीणों ने खुद ही करीब 7.80 लाख का चंदा जुटाकर अपने लिए एक प्राईवेट पुल की व्यवस्था की।उन्होंने करीब 32 फीट लंबा लोहे का पुल तैयार करना शुरू किया है। पुल के निमार्ण की विडियों सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। आपकों बता दें कि आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि 2027 के चुनाव का बहिष्कार उन्होंने अभी से ही कर दिया है। मजदूरों की मदद से ग्रामीणों द्वारा बनाये जा रहे पुल का कार्य तेजी से बढ रहा है।पुल बनने के बाद जल्द ही ग्रामिणों को आने जाने की समस्या से छुटकारा मिलने वाला है।

घरों में डालता डाका, विरोध करने पर करता मर्डर: आसिफ पर 21 केस, एसटीएफ ने किया एनकाउंटर

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (STF) की टीम ने कुख्यात अपराधी आसिफ उर्फ विक्की का एनकाउंटर कर दिया है। वह एक लाख का इनामी था। अंबेडकरनगर जिले के बिवाना में एसटीएफ की टीम के साथ विक्की की मुठभेड़ हुई। इस दौरान गोली लगने से विक्की गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, विक्की अलग-अलग राज्यों में डकैती और हत्या जैसी वारदातों में वांछित था।

मृतक की पहचान आसिफ उर्फ विक्की के रूप में हुई है। वह कानपुर के मकनपुर का रहने वाला था। वह लंबे समय से फरार चल रहा था और उसकी गिरफ्तारी पर उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

एसटीएफ के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से 32 बोर की एक पिस्टल, 12 बोर की पौनिया (देशी बंदूक), भारी मात्रा में कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस ने बरामद हथियारों और अन्य साक्ष्यों को कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बंधक बनाकर डकैती करता था

पुलिस के अनुसार, आसिफ अपने गैंग के साथ मिलकर घरों में घुसकर लोगों को बंधक बनाकर डकैती करता था। विरोध करने पर वह और उसके साथी धारदार हथियारों या अन्य माध्यमों से हत्या करने से भी नहीं हिचकते थे। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान में डकैती, हत्या, लूट और अन्य गंभीर अपराधों के 21 से अधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

आसिफ कई चर्चित और जघन्य आपराधिक मामलों में वांछित था। वर्ष 2013 में सुल्तानपुर के कोतवाली देहात थाना क्षेत्र में उसने अपने गैंग के साथ घर में घुसकर हत्या के बाद डकैती की वारदात को अंजाम दिया था। वर्ष 2014 में जौनपुर के शाहगंज थाना क्षेत्र में उसने साथियों के साथ एक परिवार को बंधक बनाकर लाखों रुपये के जेवर और नकदी लूट ली थी। इस दौरान परिवार के पांच सदस्यों पर धारदार हथियारों से हमला किया गया, जिसमें स्वाति और सुमन नामक दो महिलाओं की इलाज के दौरान मौत हो गई थी।

2015 में डकैती के दौरान दो लोगों की हत्या कर दी थी

इसके अलावा वर्ष 2015 में कौशांबी के कोखराज थाना क्षेत्र में डकैती के दौरान दो लोगों की हत्या कर दी थी। मुजफ्फरनगर के छपार थाना क्षेत्र में एक ही रात कई घरों में डकैती की वारदातों में भी उसका नाम सामने आया था। छपार की घटना में उसने अपने साथियों के साथ एक परिवार को बंधक बनाया और विरोध करने पर घर की पुत्रवधू पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2021 में कानपुर देहात के रसूलाबाद थाना क्षेत्र में तासीम नामक व्यक्ति की हत्या के मामले में भी आसिफ आरोपी था। एसटीएफ का कहना है कि लंबे समय से फरार चल रहे इस कुख्यात अपराधी के मारे जाने के बाद उसके गैंग और उससे जुड़े अन्य अपराधियों के संबंध में भी जांच तेज कर दी गई है।

बरेली में बसने जा रहा नया शहर! 270 हेक्टेयर में बनेगी हाईटेक टाउनशिप... चौड़ी सड़कें, पार्क समेत होंगी ये सुविधाएं

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। यूपी के बरेली जिले में शहर के विस्तार और बेहतर आवासीय सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए बरेली विकास प्राधिकरण (BDA) की महत्वाकांक्षी पीलीभीत रोड टाउनशिप योजना तेजी से आगे बढ़ रही है। इस परियोजना के तहत अब तक करीब 27 हेक्टेयर जमीन की खरीद पूरी कर ली गई है, जबकि कुल 270 हेक्टेयर क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं से लैस नई टाउनशिप विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। अधिकारियों का कहना है कि किसानों से लगातार बातचीत जारी है और जल्द ही शेष भूमि की खरीद प्रक्रिया भी पूरी कर ली जाएगी।

नई टाउनशिप पीलीभीत रोड और दिल्ली-लखनऊ बड़े बाइपास के बीच विकसित की जाएगी। भविष्य में इस क्षेत्र को राष्ट्रीय राजमार्ग से भी बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी, जिससे

लोगों का आवागमन आसान होगा और क्षेत्र का विकास तेजी से होगा। बीडीए का मानना है कि यह परियोजना शहर के सुनियोजित विस्तार में अहम भूमिका निभाएगी।

बीडीए इस परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण नहीं कर रहा है। प्राधिकरण किसानों से आपसी सहमति के आधार पर तय दरों पर सीधे जमीन खरीद रहा है। इससे विवाद की संभावना कम हो रही है और रजिस्ट्री की प्रक्रिया भी तेजी से पूरी की जा रही है।

योजना में कौन-कौन से गांव हैं शामिल?

इस टाउनशिप योजना के दायरे में कुम्हरा, नवदिया, अडूपुरा जागीर, कलापुर, हरिहरपुर, अहलादपुर, आसपुर खूबचंद्र, मोहरनियां समेत नौ गांवों की जमीन शामिल है। इन क्षेत्रों में आधुनिक आवासीय कॉलोनियां और अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

क्या-क्या होंगी टाउनशिप में सुविधाएं?

बीडीए की सचिव वंदिता श्रीवास्तव के अनुसार पूरी टाउनशिप को 13 सेक्टरों में विकसित किया जाएगा। प्रत्येक सेक्टर में चौड़ी सड़कें, पार्क, हरित क्षेत्र, जल निकासी व्यवस्था, पेयजल, बिजली और अन्य आधुनिक नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। पूरी योजना का लेआउट भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है

मिलेगी बेहतर कनेक्टिविटी

प्राधिकरण का कहना है कि टाउनशिप बनने के बाद बरेली शहर पर बढ़ते आबादी के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। साथ ही लोगों को आधुनिक और व्यवस्थित आवासीय वातावरण मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग से बेहतर कनेक्टिविटी के कारण यह क्षेत्र आवास और निवेश, दोनों के लिहाज से आकर्षक बनेगा। बीडीए का दावा है कि जमीन खरीद पूरी होते ही चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य शुरू कर दिए जाएंगे और आने वाले समय में यह बरेली की सबसे बड़ी आधुनिक आवासीय योजनाओं में शामिल होगी।

जैवलिन थ्रोअर रोहित ने बढ़ाया प्रदेश का मान

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मछलीशहर क्षेत्र के ग्राम अदारी निवासी एवं विश्व के नंबर-2 जैवलिन थ्रोअर बने रोहित यादव की ऐतिहासिक उपलब्धि पर पूर्व विधायक जगदीश सोनकर ने उनके आवास पहुंचकर माता-पिता से मुलाकात की । उन्होंने रोहित यादव के पिता सभाजीत यादव को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। घर पहुंचने पर उन्हें जानकारी मिली कि इस तरह सैकड़ो गोल्ड मेडल और पुरस्कार रोहित यादव को मिले हैं। जिसे उनके पिता ने एक टेबल पर सजा के रखा था। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के घर जाने के लिए खड़ंजा की भी रोड नहीं थी इस पर पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर ने जिला प्रशासन से बात की। प्रदेश के पूर्व मंत्री जगदीश सोनकर ने कहा कि रोहित यादव की यह सफलता केवल मछलीशहर या जौनपुर जनपद की ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर रोहित ने विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाकर युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य किया है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं में खेलों के प्रति नया उत्साह और आत्मविश्वास पैदा होगा। वहां पर काफी संख्या में लोग उनसे मिलने के लिए इकट्ठा हो गए ।

कहीं आप भी तो नहीं पैरेंटल बर्नआउट के शिकार, जानिए इससे निपटने के तरीके

कई माता-पिता बच्चों की देखभाल में इतना खो जाते हैं कि खुद को समय नहीं दे पाते। लगातार जिम्मेदारियों का बोझ उन पर हावी हो जाता है और वे बच्चों के लिए कुछ न कर पाने का दोष भी खुद को देने लगते हैं।

कई पैरेंटस तो बच्चों की परवरिश में इतना डूब जाते हैं, कि खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते और अवसाद, तनाव जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। यहीं से शुरुआत होती है पैरेंटल बर्नआउट की। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें 66 प्रतिशत वर्किंग पैरेंटस अपने बच्चों की देखभाल से इतना थक जाते हैं कि उन्हें लगता है कि अब उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है।

राज एक्सप्रेस। क्या आप भी एक बच्चे के माता-पिता हैं। अगर हां, तो जिम्मेदार माता-पिता की तरह अपने बच्चे की हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाने का प्रयास करते होंगे। कई पैरेंटस तो बच्चों की परवरिश में इतना डूब जाते हैं, कि खुद के लिए समय नहीं निकाल पाते और अवसाद, तनाव जैसी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं। यहीं से शुरुआत होती है पैरेंटल बर्नआउट की। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह एक ऐसी स्थिति है, जिसमें 66 प्रतिशत वर्किंग पैरेंटस अपने बच्चों की देखभाल से इतना थक जाते हैं कि उन्हें लगता है कि अब उनके पास देने के लिए कुछ नहीं बचा है। कोई भी माता पिता पैरेंटल बर्नआउट का अनुभव कर सकते हैं। हालांकि, ज्यादातर लोग सोचते हैं कि यह पैरेंटिंग का ही एक हिस्सा है, इसलिए वे इसे किसी के साथ शेयर नहीं करते । लेकिन अपनी भावनाओं को छुपाना मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। अगर आप भी पैरेंटल बर्नआउट की गिरफ्त में हैं, तो यहां बताया गया है कि आप इससे कैसे बच सकते हैं।

पैरेंटल बर्नआउट के लक्षण

शारीरिक या भावनात्मक थकावट का अनुभव करना।

अपनी पैरेंटिंग को लेकर शर्मिंदगी महसूस करना, या यह सोचना कि वे उतने अच्छे माता-पिता नहीं हैं जितने पहले हुआ करते थे।

माता-पिता होने की भूमिका से तंग आ जाना।

अपने बच्चों से भावनात्मक रूप से अलग महसूस करना।

पैरेंटल बर्नआउट के कारण

काम का बोझ

हर माता-पिता को एक समय पर कई जिम्मेदारियां निभानी पड़ती हैं। ऐसे में वह बिना आराम किए लगातार काम करते हैं। यह बर्नआउट का कारण बन सकता है।

सपोर्ट न होना

आज भी महिलाओं के काम को तवज्जो नहीं दी जाती और न ही कोई उन्हें सपोर्ट करता है। वर्किंग मदर के लिए तो यह और भी चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि उनके पास बच्चों की देखभाल करने वाला या काम में हाथ बटाने वाला कोई नहीं है। ऐसे में वह बर्नआउट की शिकार हो सकती है।

तारीफ न मिलना

घर की जिम्मेदारी को ठीक से निभाने के बाद भी जब तारीफ न मिले, तो महिला का स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और बर्नआउट के रूप में सामने आता है।

बर्नआउट तनाव से कैसे अलग है

कई लोग बर्नआउट को तनाव समझ लेते हैं, लेकिन बता दें कि बर्नआउट एक लंबे समय तक चलने वाली स्थिति है। जबकि तनाव अस्थाई है। तनाव अधिक सक्रियता का कारण बनता है, जबकि बर्नआउट लाचारी और निराशा का कारण है। तनाव से चिंता विकार और अवसाद हो सकता है जबकि बर्नआउट आमतौर पर अवसाद से जुड़ा हुआ है।

पैरेंटल बर्नआउट से कैसे बचें

खुद के लिए समय निकालें

पैरेंटस के रूप में कई बार हमें ऐसा लगता है कि हम अपना 100 प्रतिशत नहीं दे रहे हैं। इस जगह हम न केवल तनाव महसूस करते हैं, बल्कि हमें असफलताओं का अनुभव भी होता है। ऐसे में खुद को दोष न दें , बल्कि अपने लिए थोड़ा समय निकालें। एक शोध से पता चला है कि जो माता-पिता खुद की देखभाल को प्राथमिकता देते हैं, उनका समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है।

मदद लें

ऐसी कई चीजें हैं, जो बर्नआउट में योगदान देती हैं। इनमें समर्थन की कमी, जिम्मेदारी का उच्च स्तर, वर्कप्लेस की टेंशन, बूढ़े माता-पिता की देखभाल और वित्तीय चिंताएं शामिल हैं। माता-पिता के लिए बर्नआउट के संकेतों की पहचान करना और जरूरत पड़ने पर मदद लेना जरूरी है। आमतौर पर महिलाएं पर ही बच्चों के देखभाल की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में उनके जीवनसाथी और परिवार के सदस्यों को उनके बर्नआउट के संकेतों पर नज़र रखनी चाहिए और उनके कहे जाने से पहले ही उनकी मदद करनी चाहिए।

पॉजिटिव पैरेंटिंग स्ट्रेटजी अपनाएं

हेल्दी पैरेंटिंग स्ट्रेटजी को अपनाने से आप इस प्रॉब्लम से दूर हो सकते हैं। इसके अलावा इमोशनल सपोर्ट के लिए अपने साथी और करीबी दोस्तों से बात करें। आप चाहें, तो एक मॉम ग्रुप जॉइन कर सकती हैं। यहां आपको अपनी पैरेंटिंग प्रॉब्लम को शेयर करने के साथ इस पर दूसरों के विचार जानने को मिलेंगे।

काम से जुड़े बदलाव करें

प्रोफेशनल लाइफ में भी कुछ बदलाव करने से पैरेंटल बर्नआउट को कम करने में मदद मिल सकती है। वर्क फ्रॉम होम या फिर ऐसी जॉब चुनें, जहां आपको कुछ ही घंटे काम करना हो। ऐसे में आप अपने काम, बच्चों और परिवार के बीच बेहतर संतुलन बना पाएंगे ।

हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाएं

हर रात कम से कम सात घंटे की नींद लें। किसी भी कंडीशन में ब्रेकफास्ट स्किप न करें और जंक फूड से दूर रहें। रैगुलर वर्कआउट करना भी जरूरी है। यह बर्नआउट के लिए एक पॉवरफुल एंटीडोट है।

पैरेंटिंग एक बड़ी जिम्मेदारी है। अगर आपको अपने काम के लिए सराहना, मान्यता और समर्थन नहीं मिलता, तो आप थक सकते हैं और बर्नआउट के शिकार हो सकते हैं। पैरेंटिंग का भी अपना मजा है। इसलिए बर्नआउट के दबावों को दूर करने कैे लिए यहां बताए गए तरीके अपनाएं और खुश रहें।

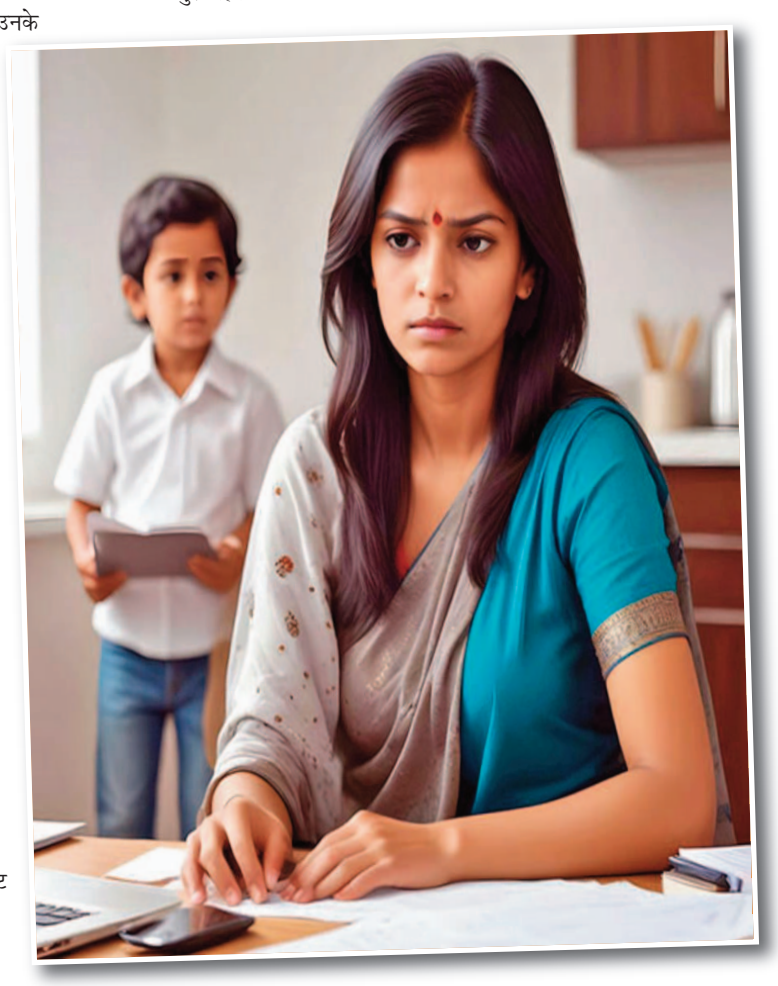

रात को सोने से पहले भी रखें त्वचा का ध्यान, जानिए क्यों जरूरी है नाइट स्किन केयर

अपनी फिजिकल हेल्थ की तरह त्वचा का ख्याल रखना भी जरूरी है। लोग दिन के समय ही अपनी त्वचा का ध्यान रखते हैं लेकिन नाइट स्किन केयर भी बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं कि रात के समय स्किन केयर क्यों जरूरी है।

सुबह उठने के बाद हम सभी स्किन केयर रुटीन को फॉलो करते हैं। इससे स्किन पूरा दिन हेल्दी और ग्लोइंग रहती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जितना जरूरी मॉर्निंग स्किन केयर रुटीन है, उतना ही जरूरी नाइट स्किन केयर भी है। स्किन एक्सपर्ट कहते हैं कि रात को सोने से पहले भी त्वचा पर ध्यान देना जरूरी है।

पूरे दिन स्किन धूप और प्रदूषण के संपर्क में आती है, जिसके चलते त्वचा बेजान और डल नजर आ सकती है। स्किन केयर रूटीन सिर्फ एक ब्यूटी ट्रेंड नहीं है बल्कि आपकी स्किन को हेल्दी और नमी युक्त रखने का एक सीक्रेट भी है। आइए जानते हैं कि रात के समय स्किन केयर रुटीन जरूरी है।

स्किन होती है रिपेयर

रात के समय हमारा पूरा शरीर रिपेयरिंग मोड में चला जाता है। इसके कारण स्किन प्रदूषण और सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के नुकसान से उबर पाती है। ऐसे में रात के समय स्किन पर उन प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें, जो सेल टर्नओवर पर फोकस रखते हैं। इस समय आप रेटिनॉल जैसी चीजों को अप्लाई करेंगे।

कोलेजन बूस्ट

रात के समय आपका शरीर ज्यादा मात्रा में कोलेजन बनाता है। ये स्किन इलास्टिसिटी में जरूरी है। ये त्वचा में झुर्रियां कम करने में मदद करता है। रात के समय कोलेजन बढ़ाने वाले वाले प्रोडक्ट्स जैसे- रेटिनॉल का इस्तेमाल कर सकती है। इससे स्किन जवां और हेल्दी नजर आती है।

खुद को रखें हाइड्रेट

त्वचा का ख्याल रखने के लिए जरूरी है कि आप जितना हो सके, खुद को हाइड्रेट रखें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और शरीर में टॉक्सिंस बाहर निकलेंगे।

विटामिन हैं जरूरी

इसके अलावा, त्वचा के लिए कुछ विटामिन भी जरूरी हैं। डाइट में विटामिन ए, बी12, सी और डी से भरपूर चीजों को शामिल करें। इससे एक्ने-पिंपल, फाइन लाइन्स और झुर्रियों से राहत मिलती है।

रात को सोने से पहले स्किन केयर रूटीन में त्वचा को मॉइश्चराइज करना बेहद जरूरी है। आप रात के समय हाइलूरोनिक एसिड वाले स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे स्किन में हाइड्रेशनलॉक रहता है।

क्या आपको भी है रात में जागने की आदत, तो जान लें इससे होने वाले ये गंभीर नुकसान

दिनभर की थकान के बाद कई लोग बिस्तर पर जाते ही सो जाते हैं तो वहीं कुछ लोगों को जल्दी नींद ही नहीं आती। ऐसे में वो देर रात तक जागते हैं। कई लोगों को ऑफिस के काम की वजह से भी रात में जागना पड़ता है लेकिन क्या आप जानते हैं इससे आपकी सेहत पर क्या असर पड़ता है?

अक्सर आपने लोगों को कहते सुना होगा कि मैं तो नाइट आउल हूं, यानी वे लोग जो रात में जागकर काम या मूवी आदि देखना पसंद करते हैं। आजकल अधिकतर लोग खासकर यंगस्टर रात में जागते हैं। कई बार ऑफिस के काम की वजह से भी लोग रात में जागकर उसे पूरा करने की कोशिश रहते हैं। ऐसे में लोग पर्याप्त नींद भी नहीं ले पाते हैं, जिसका असर उनकी सेहत पर पड़ता है।

सेहत को लेकर ऐसी लापरवाही कई बीमारियों को जन्म देती हैं। स्वस्थ रहने के लिए कम से कम 7-8 घंटे की नींद सोना चाहिए। इससे कम सोने वाले लोगों को मोटापा, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द आदि की समस्याओं से जूझना पड़ता है। अगर आप भी ये गलती करते हैं, तो आपको बता दें कि आप अपनी सेहत के साथ कितना बड़ा खिलवाड़ कर रहे हैं।

आयु होती है कम

पर्याप्त नींद नहीं लेने से आयु कम होती है। दक्षिण कोरिया में 16 सालों तक किए गए एक शोध के अनुसार जो लोग रात में ज्यादा देर जागना पसंद करते थे, उन्हें कम उम्र में ही अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा। यह शोध 40 से 69 उम्र के लोगों के बीच में किया गया था।

दिमाग पर पड़ता है असर

जो लोग रात में ज्यादा देर तक जागते हैं, उन्हें मेमोरी लॉस, डिसीजन मेकिंग आदि में समस्या का सामना करना पड़ता है। देर से सोने वाले लोगों में मूड स्विंग भी देखे जा सकते हैं।

वजन बढ़ना

कई बार देखा गया है कि जो लोग रात में कम सोते हैं, उन लोगों में वजन बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसे लोग जल्दी वेट गेन कर लेते हैं क्योंकि वजन बढ़ने का एक कारण हार्मोनल इम्बैलेंस होता है, जिससे सेहत बिगड़ती है।

इम्युनिटी कम होती है

जो लोग रात में पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उन लोगों की इम्युनिटी लो रहती है, जिससे वे जल्द बीमार पड़ते हैं। इसलिए रात में पर्याप्त नींद लें ताकि शरीर स्वस्थ रहे।

एसबीआई की नई सेविंग स्कीम, आरडी और एसआईपी का मिलेगा फायदा

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) द्वारा इन्वेस्टमेंट के लिए कई स्कीम चलाई जा रही है। लोगों के बीच बैंक की एफडी स्कीम काफी पॉपुलर है। अब बैंक निवेश के लिए नया प्रोडक्ट लाने की प्लानिंग कर रही है। इस नए प्रोडक्ट की जानकारी एसबीआई के चेयरपर्सन ने दी है। इस स्कीम में कस्टमर को आरडी और एसआईपी का फायदा मिलेगा।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) निवेश के लिए कई स्कीम चला रही है। अब बैंक इन्वेस्टमेंट के लिए नया प्रोडक्ट लाने की तैयारी कर रही है। इस इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट में निवेशक को रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)और एसआईपी (एसआईपी) दोनों का लाभ मिलेगा।

एसबीआई की इस प्रोडक्ट की जानकारी बैंक के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने दी है। उन्होंने बताया कि बैंक निवेश के लिए इनोवेटिव प्रोडक्ट लाने की प्लानिंग कर रही है। यह प्रोडक्ट देश की अर्थव्यवस्था की प्रगति के साथ ही कस्टमर को फाइनेंशियल तौर पर जागरूक करने के लिए बनाया जाएगा।

आज भले ही लोग निवेश की महत्वता को समझते हुए एसेट अलोकेशन की तरफ रुख कर रहे हैं। इसके बावजूद निवेशक रिस्क वाले एसेट में सबकुछ लगाना पसंद नहीं करते हैं। वह अगर रिस्क एसेट में निवेश करते हैं तो सिक्योर इन्वेस्टमेंट भी सेलेक्ट करते हैं। निवेशक हर दिन निवेश के नए साधन की तलाश करते हैं।

पारंपरिक प्रोडक्ट का होगा नया वर्जन

निवेश की जब भी बात होती है अक्सर निवेशक बैंकिंग प्रोडक्ट को सेलेक्ट करना पसंद करते हैं। निवेशकों को बैंक पर ज्यादा भरोसा रहता है। इसी भरोसे को कायम रखने के लिए एसबीआई अपने पारंपरिक प्रोडक्ट में नवीनता लाने की कोशिश करेगा। ऐसे में उम्मीद है कि बैंक आरडी या एसआईपी जैसे प्रोडक्ट का संयुक्त रूप ला सकता है। यह प्रोडक्ट डिजिटल रूप से सुलभ होगा। एसबीआई चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक अपने प्रोडक्ट को पॉपुलर बनाने के लिए नवाचारों पर विचार कर रही है।

फंड जुटा रही है बैंक

बैंक ने फंड जुटाने के लिए एक पहुंच कार्यक्रम शुरू किया है। फंड जुटाने के लिए बैंक एक फ्रेंचाइजी के तौर पर काम कर रही है। इसके लिए बैंक अपने सभी मौजूदा कस्टमर के साथ नए कस्टमर से संपर्क कर रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती पर रिपोर्ट की मुहर, बाजार का वैल्यूएशन आकर्षक

विकासशील बाजारों में भारतीय शेयर बाजार एक अलग तरह के निवेश के मौके के तौर पर उभरा है, देश का व्यापक आर्थिक आधार मजबूत बना हुआ है। ऐसे में अगर निवेशक टेक्नोलॉजी शेयरों से हटकर आगे देखते हैं तो इसका फायदा भारत को मिल सकता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

डीएसपी नेत्र की रिपोर्ट के अनुसार, एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स (ईएम) इंडेक्स 2021 के स्तर पर वापस आ गया है, लेकिन इस तेजी की वजह कुछ ही खास मार्केट और स्टॉक रहे हैं।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि जिन चार मार्केट का इंडेक्स में वेटेज 5 प्रतिशत से ज्यादा है, उनमें से भारत का वैल्यूएशन उसके लंबे समय के औसत वैल्यूएशन से 2.39 प्रतिशत कम है।

इसके उलट, ताइवान और दक्षिण कोरिया क्रमशः लगभग 85 प्रतिशत और 71 प्रतिशत के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं, जो एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के 24.71 प्रतिशत के कुल प्रीमियम से ज्यादा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल ताइवान और दक्षिण कोरिया ने दूसरे उभरते बाजारों के मुकाबले काफी बेहतर प्रदर्शन किया है।

ताइवान और दक्षिण कोरिया के इस शानदार प्रदर्शन की वजह उभरते बाजारों के बुनियादी हालात में व्यापक सुधार के बजाय, ग्लोबल स्तर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से चलने वाला सेमीकंडक्टर सेक्टर का उछाल है।

एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में टेक्नोलॉजी सेक्टर का वेटेज दिसंबर 2025 में 28.3 प्रतिशत से बढ़कर मई 2026 में 44.2 प्रतिशत हो गया, जबकि कम्युनिकेशन सर्विसेज, कंज्यूमर साइक्लिकल और हेल्थकेयर समेत ज्यादातर दूसरे सेक्टरों की हिस्सेदारी में गिरावट आई।

रिपोर्ट में बताया गया है कि बेंचमार्क के 25.3 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न में अकेले प्रौद्योगिकी क्षेत्र का योगदान 25.6 प्रतिशत अंक रहा है। सूचकांक के लगभग 72 प्रतिशत लाभ केवल तीन सेमीकंडक्टर कंपनियों – ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (टीएसएमसी), सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स और एसके हाइनिक्स – से प्राप्त हुए हैं, जो मिलकर बेंचमार्क का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा बनाती हैं।

डीएसपी के अनुसार, इस तरह की एकाग्रता एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स को एआई और सेमीकंडक्टर शेयरों के प्रति निवेशकों की भावना में किसी भी उलटफेर के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है।

रिपोर्ट ने भारत को उभरते बाजारों में सबसे आकर्षक विपरीत निवेश अवसरों में से एक बताया है, यह देखते हुए कि हालिया कमजोर प्रदर्शन के बावजूद, देश अपेक्षाकृत मजबूत व्यापक बुनियादी सिद्धांतों का लाभ उठा रहा है और अपने दीर्घकालिक औसत मूल्यांकन के करीब कारोबार कर रहा है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यदि निवेशकों की भागीदारी टेक्नोलॉजी शेयरों से आगे बढ़ती है, तो भारत में पूंजी का पुनः प्रवाह देखने को मिल सकता है।

जून के आखिरी पखवाड़े में एफआईआई की फाइनेंशियल और कंस्ट्रक्शन सेक्टर पर बड़ी खरीदारी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने जून के दूसरे पखवाड़े (आखिरी 15 दिनों) में भारतीय शेयर बाजार में करीब 14,100 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले पखवाड़े में उन्होंने 11,263 करोड़ रुपए की बिकवाली की थी।

इस दौरान उन्होंने फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन, कंज्यूमर सर्विसेज, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, रियल्टी और हेल्थकेयर सेक्टर्स में खरीदारी की है। दूसरी तरफ मेटल एंड माइनिंग, पावर, ऑयलएंडगैस, कैपिटल गुड्स, ऑटो, आईटी और टेलीकॉम में बिकवाली की है।

राष्ट्रीय प्रतिभूति डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के डेटा के मुताबिक, एफआईआई ने जून के आखिरी पखवाड़े में फाइनेंशियल सर्विसेज में 14,634 करोड़ रुपए, कंस्ट्रक्शन में 3,484 करोड़ रुपए, कंज्यूमर सर्विसेज में 3,081 करोड़ रुपए, सर्विसेज में 2,592 करोड़ रुपए, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 2,564 करोड़ रुपए, रियल्टी में 1,893 करोड़ रुपए और हेल्थकेयर में 1,435 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

इस दौरान विदेशी निवेशकों ने मेटल और माइनिंग में -4,371 करोड़ रुपए, पावर में -3,743 करोड़ रुपए, ऑयल और गैस में -2,789 करोड़ रुपए, कैपिटल गुड्स में -1,442 करोड़ रुपए, ऑटो में -1,324 करोड़ रुपए, आईटी में -733 करोड़ रुपए, टेलीकॉम में -720 करोड़ रुपए, कंस्ट्रक्शन मटेरियल में -650 करोड़ रुपए और केमिकल में -514 करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

विदेशी निवेशकों की ओर से भारतीय बाजार में ऐसे समय पर निवेश किया गया है, जब अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण वैल्यूएशन निचले स्तर पर आ गए थे और वैश्विक स्तर पर एआई एवं सेमीकंडक्टर शेयरों में बिकवाली देखने को मिली थी।

इसके चलते बीते एक महीने में मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी का भी रिटर्न भी सकारात्मक रहा है। बीएसई सेंसेक्स ने बीते एक महीने में करीब 6.5 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी ने बीते एक महीने के दौरान 5.5 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है।

ईरान ने होर्मुज में फिर शुरू किए हमले, दो जहाजों पर मिसाइलें दागीं, समझौते पर मंडराया खतरा

वॉशिंगटन, एजेंसी। होर्मुज स्ट्रेट में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार रात ईरान की सेना ने इस रास्ते से गुजर रहे दो कॉमर्शियल जहाजों पर मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज में हमले रोकने के लिए हुआ एक सप्ताह का समझौता खत्म हो चुका है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि इस हमले से अमेरिका और ईरान के बीच करीब तीन हफ्ते पहले हुए 14 पॉइंट वाले MoU पर भी खतरा मंडराने लगा है। माना जा रहा है कि अब अमेरिका ईरान के ठिकानों पर जवाबी हमला कर सकता है।

ब्रिटेन की यूके मैरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (UKMTO) ने बताया कि उसे सोमवार को एक रिपोर्ट मिली, जिसमें कहा गया कि ओमान के तट के पास दक्षिण की ओर जा रहे एक तेल टैंकर पर किसी अज्ञात मिसाइल या प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। इससे जहाज में आग लग गई। एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि दूसरे कारोबारी जहाज को भी ईरानी मिसाइल ने निशाना बनाया। दोनों जहाजों को काफी नुकसान पहुंचा, लेकिन अच्छी बात यह रही कि क्रू मेंबर की मौत या घायल होने की खबर नहीं है।

इससे पहले पिछले हफ्ते कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत हुई थी। हालांकि यह बातचीत बिना किसी बड़े नतीजे के खत्म हो गई। इस बीच द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हमले का शिकार हुए जहाजों में कतर का LNG टैंकर अल रेकय्यात भी शामिल हो सकता है। यह जहाज नाकिलात कंपनी का है, जो कतर की LNG शिपिंग कंपनी है।

हमले से पहले चेतावनी का ऑडियो

रिपोर्ट में एक ऑडियो रिकॉर्डिंग का भी जिक्र है। इसमें कथित तौर पर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) जहाजों को चेतावनी देती सुनाई देती है। जिसमें वे कह रहे हैं कि उनकी मिसाइलें और ड्रोन हमला करने के लिए तैयार हैं। रेडियो संदेश के मुताबिक, अल रेकय्यात जहाज के इंजन रूम के ऊपर बाईं ओर मिसाइल लगी, जिससे धुआं और आग लग गई। हालांकि जहाज पर मौजूद सभी क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। होर्मुज स्ट्रेट दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। ऐसे में यहां फिर से हमले शुरू होने से वैश्विक तेल सप्लाई, ऊर्जा बाजार और पश्चिम एशिया की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

रूस ने कीव पर दागीं 23 बैलिस्टिक मिसाइलें, यूक्रेन एक भी नहीं रोक पाया, 28 की मौत

कीव। यूक्रेन ने कहा है कि उसके पास इंटरसेप्टर (हवाई हमलों को रोकने वाली) मिसाइलों की भारी कमी हो गई है। इसी वजह से सोमवार को रूस ने राजधानी कीव पर जो 23 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, उनमें से एक भी मिसाइल को यूक्रेन की एयरफोर्स नहीं रोक सकी। यूक्रेन के अधिकारियों के मुताबिक, यह एक हफ्ते के भीतर कीव पर रूस का दूसरा बड़ा हमला था। इस हमले में 28 लोग मारे गए। कीव शहर में 18, जबकि कीव क्षेत्र के दूसरे इलाकों में 10 लोगों की जान गई। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने इस हमले में 68 मिसाइलें और 351 अटैक ड्रोन छोड़े। यूक्रेनी वायुसेना ने 37 मिसाइलों और 326 ड्रोन को मार गिराया या रास्ते से भटका दिया, लेकिन 23 बैलिस्टिक मिसाइलों में से एक भी नहीं रोकी जा सकी। जेलेंस्की ने कहा कि आज दुनिया में ऐसी स्थिति होना दुखद है कि लोगों को बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाने के लिए पर्याप्त इंटरसेप्टर मिसाइलें ही उपलब्ध नहीं हैं। जेलेंस्की ने कहा कि जब तक पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें सहयोगी देशों के गोदामों में पड़ी रहेंगी, रूस यूक्रेन के रिहायशी इलाकों पर ऐसे हमले करता रहेगा। हमले के बाद कीव में कई जगह भारी तबाही हुई। तीन बड़ी रिहायशी इमारतें आंशिक रूप से ढह गईं और कुछ इमारतों पर मिसाइलें सीधे गिरीं। शहर में लगी आग बुझाने के लिए हेलीकॉप्टर नदी से पानी लाकर लगातार आग बुझाते रहे। हमले से कुछ घंटे पहले ही जेलेंस्की ने चेतावनी दी थी कि रूस कीव पर एक और बड़ा हमला कर सकता है। इससे पहले गुरुवार को हुए हमले में 30 लोगों की मौत हुई थी।

ढाका में कश्मीर के मसले पर बवाल, मेजबान देश ने दिखाया गलत झंडा तो भारतीय अफसर ने जताई आपत्ति

ढाका, एजेंसी। कश्मीर मुद्दे पर भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर से टकराव की स्थिति बन गई है। हालांकि, यह घटना भारत और पाकिस्तान सीमा पर नहीं घटी बल्कि यह बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आयोजित एक सेमिनार में हुई। हालांकि सेमिनार के बाद इस मसले पर बात होनी थी, लेकिन नहीं हो सकी। बांग्लादेश स्वतंत्र विश्वविद्यालय (Independent University, Bangladesh) बंगाल खाड़ी अध्ययन केंद्र के सलाहकार और सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी के दक्षिण एशिया अध्ययन संस्थान (Institute of South Asia Studies, National University of Singapore) में विशिष्ट अतिथि शोध अध्येता, राजदूत तारिक ए करीम, बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय और रणनीतिक अध्ययन संस्थान (बीआईआईएसएस) की ओर से सोमवार को आयोजित 'विश्वास का पुनर्निर्माण, क्षेत्रीय एकीकरण का नवीनीकरणः सार्क को पुनर्जीवित करने के मार्ग' Bangladesh Institute of International and Strategic Studies (BIISS) नाम के सेमिनार में मुख्य भाषण दे रहे थे।

अपने भाषण के दौरान उन्होंने दक्षिण एशिया का नक्शा दिखाया। अचानक, सेमिनार में उपस्थित भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव (राजनीतिक एवं सूचना) पूजा कुमारी झा ने इस पर विरोध करना शुरू कर दिया। पूजा कुमारी ने आपत्ति जताते हुए कहा, "यहां दिखाया गया भारत का नक्शा सही नहीं है। जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। इसलिए, मुझे लगता है कि प्रस्तुत नक्शा सही नहीं है।" उस समय राजदूत तारिक ए करीम ने कहा कि मैप का उपयोग सिर्फ प्रस्तुति के मकसद से किया गया है और यह वास्तविक सीमाओं को नहीं दर्शाता है। उस समय पूजा कुमारी झा ने कहा, 'मैं समझती हूं महोदय। हम जम्मू और कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग मानते हैं। इसे यहां गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है। इसलिए मैं इस मामले का उल्लेख करना चाहती थी।'

पहचान जानककर चुप हो गए राजदूत

उस समय तारिक ए करीम ने पूजा कुमारी से पूछा, 'आपकी पहचान क्या है?' जवाब में पूजा कुमारी ने कहा, "मेरा नाम पूजा कुमारी झा है। मैं ढाका स्थित भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव हूं।" यह सुनकर राजदूत तारिक ए करीम चुप हो गए। उन्होंने कहा, "आपने जो बात रखी है, उसे रिकॉर्ड कर लिया गया है।" इसके तुरंत बाद, सेमिनार में मौजूद पाकिस्तान के उप उच्चायुक्त मोहम्मद वसीफ ने तारिक करीम से कहा, "हमारे पास इस मुद्दे पर एक बयान है।" लेकिन तारिक ए करीम ने उन्हें बोलने का कोई मौका नहीं दिया और कहा कि सेमिनार के बाद इस मामले पर चर्चा की जा सकती है। हालांकि, सेमिनार के बाद इस पर कोई और चर्चा नहीं हुई।

सेमिनार खत्म होने से पहले चली गईं पूजा

इस घटना के कुछ ही समय बाद, पूजा कुमारी झा सेमिनार खत्म होने से पहले ही वहां से चली गईं। सेमिनार के अंत में जब पाकिस्तान के उप उच्चायुक्त का ध्यान इस मुद्दे की ओर दिलाया गया, तो उन्होंने कहा, "आपने आज के सेमिनार में जो कुछ हुआ, वह देख लिया है। आपको उनकी मानसिकता का भी अंदाजा हो गया होगा।"

मुनीर के मुंह से फिर निकला सिंधु, पानी लेने के लिए पाकिस्तान दिन में देख रहा ऐसे ख्वाब...

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिंधु जल संधि रद्द होने का बाद से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। पानी की किल्लत से जूझ रहे पड़ोसी मुल्क की तरफ से अक्सर भारत को गीदड़ भभकियां मिलती रहती हैं। इस बीच पाक आर्मी चीफ आसिम मुनीर ने धमकी दी है। उनका कहना है कि पाक सिंधु जल संधि के तहत देश को मिलने वाले पानी की हिस्सेदारी को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। दरअसल पिछले साल (2025) 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए एक तरफ ऑपरेशन सिंदूर से करारा जवाब दिया था, तो दूसरी तरफ 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर गहरी चोट दी थी। जिसके तहत सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों

के जल के बंटवारे और उपयोग का प्रावधान था। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने सोमवार (6 जुलाई) को रावलपिंडी के सेना हेडक्वार्टर में कोर कमांडर्स के साथ कॉन्फ्रेंस की। जिसमें सिंधु जल संधि को लेकर भारत के सख्त रुख पर बातचीत की गई। इस दौरान पाकिस्तान सेना ने कहा कि देश के हिस्से का पानी सुनिश्चित करने के लिए हर जरूरी कदम उठाया जाएगा। सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है किकॉन्फ्रेंस में यह संकल्प लिया गया कि सरकार के निर्देशों और पाकिस्तान की जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप देश के हिस्से का पानी सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे। इसके साथ इस बैठक में 24 अप्रैल 2025 को हुई राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के निर्देशों की भी पुष्टि की गई। उस बैठक में यह फैसला लिया गया था कि पाकिस्तान के हिस्से का पानी रोकने या उसका मार्ग बदलने की किसी भी कार्रवाई को युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा। कोर कमांडर्स ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हुए पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं की संचालन क्षमता, पेशेवर दक्षता और युद्ध की तैयारी पर संतोष व्यक्त किया। इससे पहले सोमवार को ही पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने भी भारत को धमकी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि भारत पानी को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने कहा था कि हम इस पर कभी समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान इसके लिए जंग करने के लिए भी तैयार है। वहीं हाल ही में पाकिस्तान के जलवायु परिवर्तन मंत्री मुसादिक मलिक ने कहा था कि जो भी पाकिस्तान के हिस्से का पानी छुएगा, उसके हाथ काट दिए जाएंगे।

राम मंदिर दान विवाद : महाराष्ट्र में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन आज से शुरू, कहा– भक्तों की आस्था से हुआ खिलवाड़

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस अयोध्या राम मंदिर में चंदे की कथित चोरी के विरोध में भाजपा और आरएसएस के खिलाफ मंगलवार से राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। राज्य कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने सोमवार को कहा था, 'राम भक्तों ने अयोध्या में भगवान राम मंदिर को सोने और चांदी के आभूषणों के साथ लाखों रुपये दान किए हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि श्रद्धालुओं की ओर से दिए गए दान को लूटा गया है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा और आरएसएस की भी कड़ी आलोचना की। कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह केवल धन या दान की लूट नहीं है, बल्कि लाखों भक्तों की आस्था के विरुद्ध श्री राम के नाम पर की गई लूट है।' उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी सजा की मांग करेगी। वहीं, आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने भगवान राम का अपमान किया है। उन्होंने आगे कहा कि विरोध प्रदर्शन मंगलवार को सुबह 11 बजे नासिक के ऐतिहासिक कालाराम मंदिर में आधिकारिक रूप से शुरू किया जाएगा। इसके बाद, 9 से 14 जुलाई तक राज्यव्यापी 'रघुपति राघव राजा राम' सत्याग्रह सभी जिलों में आयोजित किया जाएगा। सपकाल ने बताया कि सत्याग्रह जिला मुख्यालयों में स्थित स्थानीय राम, शिव या हनुमान मंदिरों में आयोजित किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान, सपकाल ने कहा कि देवता से प्रार्थना की जाएगी कि वे 'मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के नाम पर धन हड़पने वाले धोखेबाज लोगों को विवेक और समझदारी प्रदान करें'। कांग्रेस पार्टी की यह घोषणा शिवसेना (यूबीटी) द्वारा 5 जुलाई को अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर में कथित बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं और दान के गबन के विरोध में राज्यव्यापी 'राम रक्षा आंदोलन' शुरू करने के एक दिन बाद आई है।

यह मेरा पसंदीदा खेल है... जब घुड़सवारों की याचिका पर बोले जस्टिस

सुनवाई के लिए तैयार हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार (7 जुलाई) को भारत की ड्रेसाज (घुड़सवारी) टीम के चयन को लेकर दायर याचिका पर जल्द सुनवाई करने पर सहमति जताई। यह याचिका दो ड्रेसाज खिलाड़ियों अनुश अग्रवाल और सुदीप्ति हाजेला ने दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर की है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले को 9 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

यह मामला जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह औरजस्टिस आर। महादेवन की बेंच के सामने आया था। जिसमें जल्द सुनवाई की मांग की गई थी। बेंच ने मामले को गुरुवार (9 जुलाई) को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया। इस दौरान जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा 'यह मेरा पसंदीदा खेल है'। दरअसल विवाद 2026 एशियन गेम्स के लिए भारत की ड्रेसाज टीम के चयन से जुड़ा है। ड्रेसाज घुड़सवारी का एक ऐसा खेल है, जिसमें घोड़ा और राइडर मैदान में तय क्रम के अनुसार सटीक प्रदर्शन करते हैं। एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम के चयन से बाहर किए जाने के बाद अनुश अग्रवाल और सुदीप्ति हाजेला ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

ड्रेसाज खिलाड़ी अनुष अग्रवाला और सुदिप्ती हाजेला को फाइनल टीम में जगह न देकर रिजर्व लिस्ट में रखा गया था। उनका आरोप है कि इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया (EFI) ने चयन प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया। उन्होंने चयन प्रक्रिया को चुनौती देते हुए कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर अपील में दिल्ली हाई कोर्ट के 6 जुलाई के फैसले को चुनौती दी गई है , जिसने भारत की ड्रेसेज टीम के चयन में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। हालांकि हाई कोर्ट ने पाया था कि EFI अपने ही चयन मानदंडों के कुछ प्रावधानों का पालन करने में विफल रही थी। दिल्ली हाई कोर्ट की बेंच ने 6 जुलाई को दिए अपने फैसले में माना कि EFI ने अपनी चयन प्रक्रिया के कुछ नियमों का पालन नहीं किया। जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की बेंच ने माना कि EFI ने अपने ही चयन मानदंडों की धारा 15ए और 15बी का पालन नहीं किया। इन धाराओं के तहत फाइनल टीम से पहले संभावित खिलाड़ियों की सूची बनाना जरूरी था। कोर्ट ने कहा कि EFI ने संभावित खिलाड़ियों की सूची तैयार करने और उसकी अस्थायी मेरिट सूची सार्वजनिक करने जैसे जरूरी प्रावधानों का पालन नहीं किया। हाई कोर्ट ने EFI के इस स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया कि निर्धारित प्रक्रिया को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं था। कोर्ट ने कहा कि ऐसे कारण विश्वास पैदा नहीं करते और EFI ने चयन सूची तैयार करने में अनावश्यक जल्दबाजी की।

HC ने टीम को बदलने का आदेश नहीं दिया

खामियां स्वीकार करने के बाद भी हाई कोर्ट चयनित टीम को बदलने का आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने कहा कि 15 जुलाई तक एशियन गेम्स के लिए अंतिम टीम भेजने की समय सीमा है। ऐसे में अगर चयन प्रक्रिया दोबारा कराई गई तो भारत की प्रतियोगिता में भागीदारी प्रभावित हो सकती है।

9 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दोनों खिलाड़ियों ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। उनका कहना है कि जब कोरट ने चयन प्रक्रिया में अनियमितताएं स्वीकार कर ली हैं, तो फिर उसी प्रक्रिया के आधार पर बनी टीम को बरकरार रखना उचित नहीं है। मंगलवार को जब मामला कोर्ट के सामने आया तो वरिष्ठ वकील ने तत्काल सुनवाई की मांग की।अब 9 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई करेगा।

कोई मां-बेटा, तो स्क्रीन पर बना भाई-बहन... टीवी इंडस्ट्री के वो सितारे, जो असल में निकले कपल

टीवी इंडस्ट्री के कुछ ऐसे कपल हैं, जो कि ऑनस्क्रीन पर काफी अलग रिश्ता निभाते हुए देखे गए हैं . लेकिन, असल जिंदगी की बात की जाए, तो वो एक–दूसरे को शो के दौरान ही दिल दे दिया। हालांकि, इनमें से कुछ कपल ने शादी कर ली, लेकिन वहीं कुछ ने अपने रिश्ते को बीच में ही तोड़ दिया।

फिल्मी दुनिया हो या फिर टेलिविजन इंडस्ट्री अक्सर ही हमें ऐसे रील लाइफ कपल देखने को मिलते हैं, जो कि असल में भी कपल हैं. ये तो काफी आम रही है, क्योंकि साथ में एक पार्टनर की तरह काम करते-करते ज्यादातर लोगों को लगाव हो जाता है। हालांकि, ऐसे में ही कुछ ऐसे कपल भी है, जिन्होंने स्क्रीन पर तो मां-बेटे, भाई-बहन और देवर-भाभी जैसा किरदार निभाया है, लेकिन जब उनकी असल जिंदगी में देखा गया, तो वो कपल निकले हैं।

हालांकि, ऑडियंस की तरफ से इनमें से कुछ रिश्तों को काफी ट्रोल भी किया गया है। लेकिन, एक वक्त के

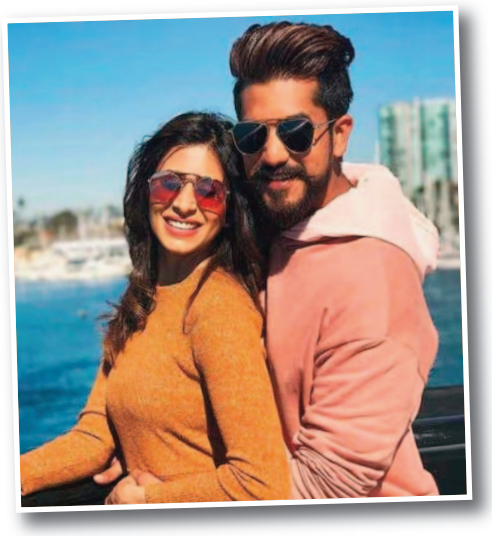

बाद उन सभी को एक बेहतरीन कपल के तौर पर देखा जाता है। फिलहाल जिन कपल्स की हम बात करने जा रहे हैं, उनमें से कुछ ने अपने रिश्ते को आगे बढ़ाया है। लेकिन कुछ कपल ऐसे भी हैं, जो कि अब अपना रास्ता अलग कर चुके हैं।

जिज्ञासा सिंह और मेहरजान माजदा

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम जिज्ञासा सिंह और मेहरजान माजदा का है। दोनों एक्टर टीवी शो शक्ति-अस्तित्व के एहसास की में थे, इस सीरियल में दोनों एक दूसरे के कजिन के तौर पर नजर आए थे। हालांकि, दोनों के रिश्ते की कंफर्मेशन वैलेंटाइन के मौके पर हुई, जब दोनों को डेट पर स्पॉट किया गया।

किश्वर मर्चेंट और सुयश राय

किश्वर मर्चेंट और सुयश राय का भी नाम इस मामले में काफी फेमस है। दोनों आज के टाइम पर फेमस कपल हैं और उनका एक बेटा भी है। लेकिन, दोनों की लव स्टोरी की बात की जाए, तो ये कहानी प्यार की ये एक कहानी से शुरू हुई थी। ये काफी पॉपुलर शो था, जिसमें इस कपल ने भाई-बहन का किरदार निभाया था।

जीशान खान और रेहाना पंडित

कुमकुम भाग्य फेम जीशान खान का भी नाम काफी फेमस है। वो शो की अपनी को स्टार रेहाना पंडित को डेट कर रहे थे। दोनों ने अपने रिश्ते को ऑफिशियल तौर पर लोगों के सामने ला दिया था। हालांकि, कुछ वक्त बाद ही दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए। शो के किरदार की बात की जाए, तो रेहाना ने जीशान की मां का रोल निभाया था।

हर्षद अरोड़ा और अपर्णा कुमार

हर्षद अरोड़ा ने भी अपनी को स्टार अपर्णा कुमार को डेट करने को लेकर काफी सुर्खियों में थे। दोनों साथ में मायावी मलिंग में नजर आए थे, इस शो में दोनों मां-बेटे के रिश्ते में थे। हालांकि, दोनों ने साल 2018 में डेट करना शुरू किया था, जिसे उन्होंने 2 साल बाद ही ऑफिशियल कर दिया था। लेकिन बाद में दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए।

मौली और मजहर

कहीं किसी रोज फेम मौली और मजहर ने भी शो के दौरान ही एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। हालांकि, दोनों ने शो में भाभी और देवर का किरदार निभाया था। लंबे वक्त तक डेटिंग करने के बाद दोनों ने एक-दूसरे से शादी रचा ली।

आलिया की अल्फा ने पकड़ी बॉक्स ऑफिस पर रफ्तार, फिल्म ने दूसरे दिन कमाए 11 .25 करोड़, ओपनिंग डे कलेक्शन को छोड़ा पीछे

आलिया भट्ट पिछले कुछ दिनों से अपनी अपकमिंग स्पाई-थ्रिलर फिल्म अल्फा को लेकर चर्चा में थीं, जो अब सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की इस महिला प्रधान फिल्म में आलिया के साथ शरवरी वाघ भी मुख्य भूमिका में हैं और इन दोनों अभिनेत्रियों के साथ बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिका में हैं। ये स्पाई एक्शन-थ्रिलर फिल्म अल्फा 3 जुलाई यानी इसी शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों और क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया के बावजूद, फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छी कमाई की और अब ये तेजी से रफ्तार पकड़ती दिख रही है। रिलीज के दूसरे दिन, यानी पहले शनिवार को इसने 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया है, जो पहले दिन की तुलना में 2 करोड़ अधिक है।

आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर अल्फा को लेकर काफी चर्चा थी, लेकिन कुछ नकारात्मक वजहों से। फिल्म का ट्रेलर लॉन्च होने के बाद इसे दर्शकों से कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिला, लेकिन फिल्म के रिलीज होने के बाद ये मिली-जुली प्रतिक्रिया के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक प्रदर्शन में सफल रही। सैकनिलक के अनुसार, फ़िल्मि ने भारत में 9.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया और अब दूसरे दिन के आंकड़े भी सामने आ चुके हैं, जिसके अनुसार फिल्म ने पहले दिन 11.25 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ फिल्म का टोटल कलेक्शन 20.50 करोड़ हो गया है।

कम कमाई के बावजूद, अल्फा ने एक अहम रिकॉर्ड बनाया है। ओपनिंग डे पर 9.5 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, यह आलिया भट्ट के करियर की 10वीं सबसे बड़ी ओपनर बन गई है। हम्टी शर्मा की दुल्हनिया (9.02 करोड़ रुपये) की ओपनिंग डे की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ते हुए इसने 10वें नंबर पर जगह हासिल की है, जबकि ब्रह्मास्त्र 37 करोड़ के साथ टॉप पर है। वहीं 21.6 करोड़ की ओपनिंग के साथ कलंक दूसरे नंबर पर, 19.4 करोड़ के साथ गली बॉय तीसरे नंबर पर, 13.1 करोड़ के साथ शानदार चौथे नंबर पर और 12.42 करोड़ के साथ 2 स्टेट्स पांचवे नंबर पर है। वहीं बद्रीनाथ की दुल्हनिया ने पहले दिन 12.25 करोड़, रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने 11.1 करोड़, गंगूबाई काठियावाड़ी ने 10.5 करोड़ और उड़ता पंजाब ने पहले दिन 10.05 करोड़ का कलेक्शन किया था।

अल्फा की बात करें तो यशराज फिल्म्स की इस स्पाई थ्रिलर में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। ये दोनों की साथ में पहली फिल्म है। फिल्म में अनिल कपूर और बॉबी देओल भी अहम भूमिकाओं में हैं। ये वाईआरएफ की पहली महिला प्रधान स्पाई-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें बॉबी देओल ने विलेन की भूमिका निभाई है और आलिया और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में वॉर के कबीर यानी ऋतिक रोशन का भी कैमियो है, जिसकी झलक ट्रेलर में भी देखने को मिली थी। हाल ही में करण जौहर ने एक पोस्ट साझा करते हुए अल्फा और आलिया भट्ट की जमकर तारीफ की और फिल्म को अपना समर्थन दिया। करीना कपूर खान भी इस फिल्म की तारीफ कर चुकी हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com